MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

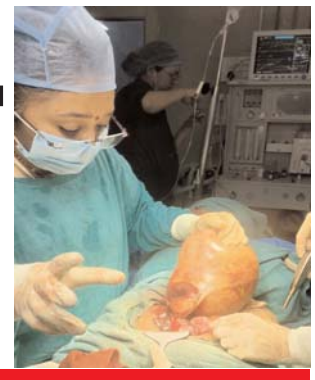

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 157 ग्वालियर,16 फरवरी शुक्रवार 2024 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

सोनिया गांधी की राज्यसभा में मौजदूगी ही होगी बड़ी बात, उनकी सियासी उपलब्धियों का नहीं मुकाबला

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी अब लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगी. उनकी पार्टी ने राजस्थान के जरिए राज्यसभा में भेजने का फैसला किया है. सोनिया गांधी ने जयपुर में राहुल और प्रियंका गांधी की उपस्थिति में नामांकन भरा. सोनिया गांधी के चुनाव न लड़ने की वजह से बीजेपी ने कांग्रेस पर हमला बोला है. आईटी सेल्ल के अध्यक्ष अमित मालवी का कहना है कि इस फैसले के बाद कांग्रेस ने अमेठी के बाद अब रायबरेली में भी हार स्वीकार की है.

कांग्रेस की बुरी स्थिति में सोनिया गांधी का साथ-सोनिया गांधी 1998 में कांग्रेस का अध्यक्ष बनी थी, उस समय कांग्रेस की स्थिति बहुत ही खराब थी. कांग्रेस ने काफी स्ट्रगल किया, सारे कांग्रेस जनों को इकट्ठा किया और मिलकर अटल बिहारी बाजपेयी और एनडीए जैसी शक्तिशाली गठबंधन को प्राप्त किया. डॉ.

मनमोहन सिंह जैसे बुद्धिजीवी और बड़े इकोनॉमिस्ट देश का प्रधानमंत्री बनाया, जिन्होंने देश की आर्थिक दिशा और दशा बदली. सोनिया गांधी राजस्थान से, कहीं से चाहती तो राज्यसभा जा सकती थी. कांग्रेस में राज्यसभा की सीट अध्यक्ष का प्राइवेटिव होता है जो अध्यक्ष रिकमेन्ड करते हैं उसे असेंबली में पैनल बनाकर भेजा जाता है.लोकसभा टिकट के लिए एक सीट से 3-4 लोगों का पैनल बनाकर भेजा जाता है. बंगाल में, डेल्ही, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब में जो भी राज्यसभा की सीट होती थी, अंडमान निकोबार या चंडीगढ़, उन यूनियन टैरेटरी को छोड़ कर बाकी के स्टेटस में, उनमें राज्यसभा की सीट होती थी तो रेकमेंड कर दिया जाता था. और किसी का नाम नहीं दिया जाता था, वो अध्यक्ष के ऊपर था, अध्यक्ष के मशवरे से ही होता था. सोनिया गांधी ने कांग्रेस की बुरी स्थिति में संगठित कर उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस लाने का काम किया था.

कांग्रेस की तरफ से कौन लड़ेगा चुनाव-साल 2014 और 2019 में मोदी लहर के बावजूद बीजेपी रायबरेली सीट नहीं जीत पाई रायबरेली सीट से इंदिरा गांधी से लेकर फिरोज गांधी तक सांसद रह चूके हैं।

चुनाव से पहले इलेक्टोरल बॉन्ड पर बैन: 3 प्वाइंट्स यह बीजेपी के लिए कितना बड़ा झटका?

चुनावी साल में सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी चंदा को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है. अब भारत में राजनीतिक पार्टियां इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा नहीं ले पाएंगी. 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दे दिया. इलेक्टोरल बॉन्ड एक तरह का प्रोमिसरी नोट होता है, जिसे बैंक नोट भी कहते हैं. 2000 रुपये से अधिक का चंदा लेने के लिए इसका उपयोग किया जाता है. 2017 में भारत सरकार ने पहली बार चुनावी चंदा लेने के लिए इसे प्रयोग में लाया था.भारत सरकार ने उस वक्त तर्क दिया था कि जो चंदे की नकद व्यवस्था है, उससे कालेधन को बढ़ावा मिलता है, इसलिए इलेक्टोरल बॉन्ड की सुविधा शुरू की गई है. हालांकि, कई दलों ने इसका विरोध किया था.

4 साल तक केस पेंडिंग, 3 दिन की सुनवाई-इलेक्टोरल बॉन्ड के खिलाफ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने 2019 में याचिका दाखिल की थी. एडीआर ने अपनी याचिका में इस पर बैन लगाने की मांग की थी. एडीआर का कहना था कि यह बॉन्ड चुनावी सुधार की दिशा में गलत कदम है. सुप्रीम कोर्ट में यह मामला 4 साल तक पेंडिंग रहा. नवंबर 2023 में इस पर संवैधानिक बेंच ने सुनवाई की. इस बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे.सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने पूरे मामले में 3 दिन की सुनवाई की और 2 नवंबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया

अखिलेश यादव के बयान पर पल्लवी पटेल का पलटवार, कहा- विश्वासघात हमारे खून में नहीं

यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल के बीच वाकयुद्ध जारी है. सपा नेता अखिलेश यादव के %क्ष्ठ की लड़ाई को मजबूत करना हर गठबंधन सहयोगी की जिम्मेदारी है% वाले बयान पर अपना दल कमेरावादी नेता पल्लवी पटेल ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि %मैं पटेल हूं. पल्लवी पटेल. विश्वासघात हमारे खून में नहीं है.समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव से हमारे सिर्फ राजनीतिक रिश्ते नहीं हैं, बल्कि व्यक्तिगत रिश्ते भी हैं

.तो गांव गांव होगा आंदोलन, किसानों की मांग को लेकर जीतू पटवारी की BJP को चेतावनी

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले बीजेपी और कांग्रेस गेहूं और धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर आमने-सामने है. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अल्टीमेटम दिया कि अगर धान और गेहूं की खरीदी समर्थन मूल्य पर नहीं की गई तो गांव गांव में आंदोलन होगा. दूसरी तरफ बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष को कहा है कि उन्हें प्रदेश के किसान की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. मध्य प्रदेश में किसानों की सरकार है और सरकार अपना एक-एक वादा पूरा करेगी.प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बयान जारी करते हुए कहा, ÷बीजेपी सरकार ने चुनाव के पहले 2700 रुपए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदने का वादा किया था. सरकार ने अभी तक 2700 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी को लेकर कोई भी आदेश जारी नहीं किया है. उन्होंने कहा कि अगर सरकार अपने एक वादे से भी पीछे हटेगी तो प्रदेश और शहरी नहीं बल्कि गांव गांव में आंदोलन होगा.÷

जीतू पटवारी के बयान पर बीजेपी का पलटवार-प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की चेतावनी पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने कहा है कि उन्हें किसानों की

चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने यह भी कहा कि कांग्रेस की लोकसभा चुनाव के पहले एक बार फिर बौखलाहट सामने आ रही है. अभी तक सरकार ने खरीदी शुरू नहीं की है. यदि सरकार अपने वादे के विपरीत जाकर एक दाना गेहूं भी खरीदती है, तब कांग्रेस को आरोप लगाने का अधिकार है. अभी से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को इतना उत्तेजित होने की कोई आवश्यकता नहीं है. सिसोदिया के मुताबिक सरकार अपना एक-एक वादा पूरा करेगी.

गेहूं के समर्थन मूल्य को लेकर राजनीति-मध्य प्रदेश के सभी जिलों में किसानों की तरफ से अधिकांश गेहूं की फसल उगाई जाती है. गेहूं के समर्थन मूल्य को लेकर मध्य प्रदेश में लंबे समय से राजनीति हो रही है. इस बार कांग्रेस में विधानसभा चुनाव 2023 में ?2600 क्विंटल के समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी का वादा किया था. दूसरी तरफ बीजेपी ने 2700 रुपए प्रति क्विंटल की खरीदी का वादा किया था. अब मध्य प्रदेश में जब बीजेपी की सरकार है तो कांग्रेस समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है.

मछुआरों की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी, ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा परियोजना से जुड़ा मामला

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा परियोजना से प्रभावित मछुआरों की याचिका पर राज्य सरकार और परियोजना कर्ता रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड को जवाब देने हेतु नोटिस जारी किया है. जज मनिंदर सिंह भाटी ने यह भी आदेश दिया है कि परियोजना के तहत सोलर प्लेट लगाने का कार्य याचिका के अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगा.ओंकारेश्वर बांध के जलाशय पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 600 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण किया जा रहा है. इस परियोजना के निर्माण की जम्मिेदारी राज्य सरकार द्वारा केंद्र व राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड कंपनी को दिया है. इस परियोजना के तहत ओमकारेश्वर जलाशय पर सोलर प्लेट्स बिछाई जा रही हैं, जिस कारण जलाशय में मत्स्याखेट कर जीवन यापन कर रहे मछुआरों की जीविका समाप्त हो रही है. परंतु राज्य सरकार द्वारा इन मछुआरों के पुनर्वास की कोई व्यवस्था न देने के कारण मछुआरों द्वारा हाई कोर्ट जबलपुर में अपने अधिकारों के लिए याचिका दायर की गई है.

क्या है याचिका-ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा परियोजना से प्रभावित मछुआरों की ÷मां सतमाता सैलानी मत्स्योद्योग सहकारी समिति÷ और ÷मां काजलरानी विस्थापित आदिवासी मछुआरा सहकारी समिति÷ द्वारा हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि ओंकारेश्वर जलाशय पर सोलर प्लेट्स बिछाने के कारण उनके सदस्य मछुआरे परिवारों की एकमात्र आजीविका खत्म हो रही है. परियोजना कर्ता द्वारा ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा परियोजना के लिए तैयार की गई पर्यावरणीय एवं सामाजिक समाघात आकलन रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि परियोजना बनने से सैकड़ों मछुआरों की आजीविका समाप्त हो जायेगी और इन सभी परिवारों आजीविका फिर से स्थापित करने के लिए इन परिवारों के सदस्यों को परियोजना में स्थाई नौकरी और आर्थिक सहायता दी जाएगी.परंतु इस विषय में मछुआरों से आज तक कोई बात नहीं की गई है जबकि जलाशय पर सोलर प्लेट बिछाने का कार्य जारी

उमेश नाथ महाराज के नाम का एलान होते ही प्रशासन अलर्ट, आश्रम की सड़क और साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश से बाल योगी उमेश नाथ महाराज को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने का एलान किया है. ऐसे में इस एलान के बाद ही उज्जैन में उमेश नाथ महाराज के वाल्मिकी धाम के रास्ते पर साफ सफाई और सड़कों की मरम्मत का काम भी शुरू हो गया. संत उमेश नाथ महाराज के आश्रम पर समुचित व्यवस्था का जायजा लेने के लिए अधिकारी भी लगातार पहुंच रहे हैं. वहीं बुधवार (14 फरवरी) को वाल्मिकी धाम आश्रम पर अचानक हलचल बढ़ गई. यहां पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ-साथ वाल्मीकि समाज के अनुयाई भी लगातार गुलदस्ते और फूल लेकर पहुंचने लगे. बीजेपी द्वारा मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद के लिए राष्ट्रीय संत बाल योगी उमेश नाथ महाराज के नाम की घोषणा हुई, वैसे ही त्रृष्टा मुक्तेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित वाल्मिकी धाम आश्रम पर अधिकारियों की हलचल भी तेजी से देखने को मिली.

साफ-सफाई में जुटी नगर निगम की टीम-आश्रम के पास नगर निगम की टीम साफ-सफाई और सड़क की मरम्मत के काम में जुट गई. इसके अलावा बिजली (स्ट्रीट लाइट) की भी समुचित व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की ओर से निर्देश दिए गए. वाल्मिकी धाम पर सुरक्षा के इंतजाम भी बढ़ा दिए गए हैं. इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों की आवाजाही भी यहां लगातार देखने को मिल रही है.

उमेश नाथ महाराज का बायोडाटा जारी-भारतीय जनता पार्टी की ओर से राज्यसभा के उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पार्टी ने उमेश नाथ महाराज का बायोडाटा भी जारी किया है, जिसमें वह मूल रूप से रतलाम जिले के जावरा के रहने वाले बताए गए हैं. उनके परिवार की जानकारी के साथ-साथ उमेश नाथ महाराज की शिक्षा की जानकारी भी बायोडाटा में दी गई है. बाल योगी उमेश नाथ महाराज ने दर्शनशास्त्र में मास्टर की डिग्री हासिल की है.

मुख्यमंत्री के गृह नगर सहित मध्य प्रदेश के 4 एसपी बदले, 12 IPS अधिकारियों के ट्रांसफर

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह नगर उज्जैनसहित मध्य प्रदेश के चार पुलिस अधीक्षकों के तबादले कर दिए गए हैं, जबकि 12 आईपीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है. बुधवार को तबादला सूची जारी कर दी गई जिन शहरों के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं, उनमें उज्जैन, नीमच, बैतूल और दतिया शामिल है. मध्य प्रदेश के गृह विभाग के अवर सचिव अन्नू भलावी की ओर से तबादला सूची का आदेश जारी किया गया है. इस तबादला सूची में चार पुलिस अधीक्षक प्रभावित हुए हैं. इनमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन के एसपी सचिन कुमार शर्मा भी शामिल है. उज्जैन एसपी सचिन कुमार शर्मा को मध्य प्रदेश भवन दिल्ली में अतिरिक्त आवासीय आयुक्त बनाया गया है. नीमच एसपी अमित तोलानी को नीमच से हटकर रतलाम जिले के जावरा में बटालियन में पदस्थ किया गया है. इसी

कड़ी में दतिया एसपी प्रदीप शर्मा को उज्जैन ट्रांसफर किया गया है. बैतूल पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी का भी तबादला हुआ है.

आईजी स्तर के अधिकारियों के भी तबादले-सिद्धार्थ चौधरी को बटालियन छिंदवाड़ा में भेजा गया है. उज्जैन डीआईजी अनिल कुमार शर्मा का प्रमोशन होने के बाद उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिली है. अनिल कुमार शर्मा को आईजी जबलपुर बनाया गया है. खरगोन डीआईजी चंद्रशेखर सोलंकी को आईजी विसबल इंदौर रेंज बनाकर नई जिम्मेदारी दी गई है. आईपीएस अरविंद कुमार सक्सेना को आईजी पुलिस मुख्यालय भोपाल से पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था, पुलिस मुख्यालय भोपाल की जिम्मेदारी दी गई है.पुलिस मुख्यालय भोपाल में पदस्थ पुलिस महानिरीक्षक विनीत खन्ना, हिमानी खन्ना, आर आर एस परिहार को मुख्यालय में ही नई जिम्मेदारियां दी गई है जबकि डीआईजी रीवा मिथिलेश शुक्ला को आईजी बटालियन ग्वालियर और आईजी भोपाल अनुराग शर्मा को पुलिस मुख्यालय अटैच किया गया है.

दिल्ली मेट्रो ने रचा इतिहास, एक दिन में 71 लाख से ज्यादा लोगों ने किया सफर

दिल्ली मेट्रो में 13 फरवरी को सबसे अधिक यात्रियों ने किया सफर दिल्ली मेट्रो, सिर्फ एक सार्वजनिक परिवहन सेवा ही नहीं बल्कि दिल्ली के लोगों की लाइफलाइन बन चुकी है. आज अगर लोगों को दिल्ली के अंदर एक-जगह से दूसरी जगह जाना होता है तो वे यात्रा के लिए पहले विकल्प के रूप में मेट्रो का चुनाव करते हैं. यही वजह है कि दिल्ली मेट्रो ने एक दिन में अपने पिछले सर्वाधिक यात्रियों की यात्रा के रिकॉर्ड को तोड़ कर एक बार फिर से एक दिन में सर्वाधिक %पैसेंजर जर्नी% का रिकॉर्ड बनाया है. डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल के मुताबिक मंगलवार 13 फरवरी को मेट्रो के सभी रूट को मिला कर कुल 71 लाख 09 हजार यात्रियों ने इस दिन मेट्रो से सफर किया, जो कि अब तक के मेट्रो इतिहास में सबसे ज्यादा है. इससे पहले 04 सितंबर 2023 को मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 71 लाख 03 हजार दर्ज की गई थी. लेकिन मंगलवार को मेट्रो ने अपने उस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है. सितंबर महीने से पहले एक दिन में यात्रियों की सबसे ज्यादा संख्या का रिकॉर्ड 29 अगस्त और 28 अगस्त, 2023 को क्रमशः 6.994 मिलियन और 6.816 मिलियन था.

दिल्ली के इस इलाके में रहा यातायात प्रभावित

किसान आंदोलन को लेकर 13 फरवरी को छ्वस्नक्र की तरफ से राजीव चौक, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, पटेल चौक, उद्योग भवन, जनपथ, खान मार्केट, लोक कल्याण मार्ग और

बाराखंभा रोड सहित नौ स्टेशनों पर एक या अधिक गेट बंद करने की घोषणा के बावजूद इस दिन मेट्रो में रिकॉर्ड संख्या में लोगों ने मेट्रो में सफर किया. इसका एक कारण आंदोलन के कारण दिल्ली का प्रभावित यातायात भी रहा.

यात्री सुविधाओं में हुआ इजाफा-यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और उनके लिए टिकट खरीदने की प्रक्रिया को और आसान बनाने के लिए पिछले साल डीएमआरसी ने वाट्सएप और पेटीएम के माध्यम से क्यूआर कोड-आधारित टिकट देने की सुविधा शुरू की थी. यात्री प्रवेश और निकासी दोनों गेट पर क्यूआर कोड स्कैनर के सामने अपने स्मार्टफोन रख कर एक्सेस ले सकते हैं. इससे पहले यह सुविधा केवल एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ही उपलब्ध थी. लेकिन अब सभी यात्रियों के लिए यह सुविधा शुरू हो गई.

क्यों मेट्रो में बड़ी यात्रियों की संख्या-लगातार मेट्रो में बड़ रही संख्या में मेट्रो के आरामदायक और त्वरित सफर का बहुत बड़ा योगदान है. सड़क पर लग रहे जाम से बचने लोग मेट्रो से यात्रा करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं. मेट्रो में बड़ी यात्रियों की संख्या ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि मेट्रो दिल्ली की लाइफलाइन है. आरामदेह और सुगम यात्रा का इससे बेहतर विकल्प दिल्ली वासियों को नहीं मिल सकता है. वहीं इससे दिल्ली के पर्यावरण को बचाने में भी काफी मदद मिलती है.. क्योंकि जितने ज्यादा लोग अपने निजी वाहनों को छोड़ कर मेट्रो से सफर करते हैं. उतना ही कम कार्बन उत्सर्जन दिल्ली के वातावरण में होता है.

अम्बाह पी जी कॉलेज की छः छात्राऐं करेंगी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जीवाजी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधीत्व...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की संगठन व्यवस्था में आयोजित होने जा रहे दिनांक 23 फरवरी से 25 फरवरी तक अंतर विश्वविद्यालय राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2023-24 में अम्बाह पी जी कॉलेज अम्बाह की छः छात्राएं स्किट (लघु हास्य नाटक) रंगोली विधा में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर का प्रतिनिधित्व करेंगी।ज्ञात हो कि दिसंबर माह 2023 में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में आयोजित विश्व विद्यालय स्तरीय युवा

उत्सव में अम्बाह पी जी कॉलेज की छात्राओं स्वार्थी शर्मा, सोनाली शर्मा, मुस्कान उपाध्याय, लक्ष्मी श्रीवास, मोनू तोमर स्किट विधा में एवं नीतू माहौर ने रंगोली विधा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।स्किट विधा के प्रतिभागी दिनांक 15 फरवरी से 22 फरवरी तक जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे एवं आयोजित अंतर विश्वविद्यालय राज्य स्तरीय युवा उत्सव में सहभागिता करेंगे। छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विश्वास मेढेकर, युवा उत्सव प्रभारी डॉ. शशिवल्लभ शर्मा, सह प्रभारी डॉ.अभिलाषा श्रीवास्तव, नेहा तोमर , पंकज भदौरिया और कॉलेज के सभी प्राध्यापकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

लोकसभा चुनाव में 68 प्रतिशत वोट का संकल्प लेकर चुनाव अभियान में जुट जाए : लोकेंद्र पाराशर

भाजपा का लोकसभा चुनाव कार्यालय का शुभारंभ हुआ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री लोकसभा चुनाव प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कहा कि यह चुनाव भारत की समरसता और विकास और प्रकृति के लिए है। हम सपनों को हकीकत में बुनते हैं,इसलिए हम सब श्री मोदी को चुनते हैं । मिशन 2024 का चुनाव षड्यंत्रकारी लोगों को समाप्त कर विकसित भारत के लिए आगे बढ़ेगा। यह बात उन्होंने भिंड दतिया लोकसभा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।अर्थ-व्यवस्था के विविधीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी नेतृत्व के प्रति विश्वास होना चाहिए हम भाजपा के अनुशासित कार्यकर्ता है।श्री पाराशर ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की कल्पना को लेकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हिंदुस्तान की जनता को स्वच्छता के प्रति जागृत किया।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्यकर्ता भिण्ड और दतिया दोनों जिलों के सभी बूथ केंद्रों पर अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूत करते हुए 68त वोट बढ़ाने का संकल्प लेकर बूथ केंद्रों को सजग बनाकर प्रचंड जीत देकर श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाकर समृद्ध भारत और सशक्त भारत की कल्पना को लेकर चुनाव अभियान में लग जाए।भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी कार्यकर्ता गांव चलो,ग्राम परिक्रमा अभियान हम मोदी एप और संगठन ऐप को अधिक से अधिक लोगों को प्रत्येक बूथ पर डाउनलोड करवा कर अपने बूथ को सशक्त बनाना है।सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि हम सब कार्यकर्ताओं को मिलकर कमल के फूल के लिए कार्य करना है।भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने स्वागत भाषण में कहा कि मिशन 2024 लोकसभा चुनाव में जिले के सभी बूथ केंद्र पर बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को समझ कर चुनाव अभियान में जुड़ जाएं। लोकसभा चुनाव प्रभारी अवधेश सिंह कुशवाह एडवोकेट ने कहा कि केंद्रीय नेताओं ने 400 पार का नारा दिया है।उन्होंने कहा कि लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 49 मंडल है 308 शक्ति केंद्र है, 371 दोनों जिले के मिलाकर के हमारे बूथ केंद्र है, जिन्हें हमें अति सक्रिय बनाकर पार्टी की नीव को मजबूत करना है ताकि लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के साथ सरकार बनाना कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है।लोकसभा चुनाव प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ लोकसभा चुनाव कार्यालय का फीता काटकर एव श्री चंद्रभान द्विवेदी भागवत आचार्य द्वारा वेद मंत्र के साथ पूजन कराकर कार्यालय का शुभारंभ कराया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मनोज अनंत, एवं आभार व्यक्त दतिया जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बुधौलिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद,पूर्व सांसद अशोक अर्गल, विधायक शिव शंकर समाधिया,पूर्व विधायक कमलापति आर्य,विधायक जसवंत जाटव,लोकसभा सह प्रभारी मेघ सिंह गुर्जर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ रमेश दुबे,संजीव कांकर,मायाराम शर्मा एडवोकेट,रामकुमार महते,रोमेश महंत,पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया,श्रीमती कृष्णाकांता तोमर, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदौरिया,पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजे,शैलेंद्र सिंह कुशवाह, अशोक चौधरी प्रमुख रूप से मंच पर शामिल थे।

दतिया मेटरनिटी डॉ टीम द्वारा किया गया बड़ा ऑपरेशन आंतों मे चिपका था ट्यूमर ऑपरेशन कर निकला 4 किलो 500 ग्राम का ट्यूमर

संदीप प्रधान उप संपादक
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

हम बता दें आपको की 13 फरवरी को 25 वर्षीय महिला का लगभग 8 माह गर्भ के बराबर का ट्यूमर लगभग 4 किलो 500 ग्राम दाहिनी ओवरी मैं था और आंतों में चिपका हुआ मिला ट्यूमर डॉ श्वेता यादव के साथ डॉ विधि सिंह डॉ खुशबू मिश्रा स्टाफ नर्स डीना और निश्चेतना विषेशज्ञ डॉ दिव्या भी रही टीम में शामिल

पी.एम.श्री. एस.ए.एफ.बटालियन स्कूल में जागरूकता शिविर संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा राजीव कुमार अयाची, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के आदेशानुसार एवं हिमांशु कौशल, जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के मार्गदर्शन में पी.एम.श्री. एस.ए.एफ.बटालियन स्कूल, जिला भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित चन्द्रशेखर राठौर, न्यायाधीश भिण्ड एवं सौरभ कुमार दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड उपस्थित रहे। उक्त शिविर में उपस्थित न्यायाधीश द्वारा विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को एसिड अटैक पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2015 एवं बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाओं के आलोक में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में साइबर अपराधों, मोबाईल/स्मार्ट फोन (व्हाट्सऐप, इन्सटाग्राम, फेसबुक आदि) के माध्यम से होने वाले अपराधों से बचने हेतु जागरूकता प्रसारित करने के संबंध में

एवं नशा उन्मूलन के बारें, साइबर अपराधों, मोबाईल/स्मार्ट फोन (व्हाट्सऐप, इन्सटाग्राम, फेसबुक आदि) के माध्यम से होने वाले अपराधों से बचने हेतु जागरूकता प्रसारित करने के संबंध में तथा नशा उन्मूलन के बारें में भी विस्तारपूर्वक समझाया गया। बच्चों को पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत बच्चों के साथ होने वाले साइबर अपराधों जैसे- हनी ट्रैप, ऑन लाइन पीछा करना, ट्रोलिंग, फिसिंग आदि के बारें में सरलतम भाषा में जानकारी दी गई तथा ऐसे किसी भी अपराध के संबंध में सबसे पहले अपने माता-पिता या अभिभावक को अवगत कराए तथा किसी भी अनजान नंबर से वीडियों कॉल न उठाये।इसी क्रम में सौरभ कुमार दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड द्वारा समझाया गया कि यदि कोई ऐसा अपराध किसी के साथ गठित होता है तो वह संबंधित थाने की साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके साथ ही कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 या नालसा ऐप डाउनलोड कर उसपर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है एवं अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या संबंधित तहसील विधिक सेवा समिति में संपर्क किया जा सकता है।उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य अरविंद सिंह तोमर,विद्यालय के समस्त अध्यापकगण,छात्र-छात्रायें एवं मनोज कुमार श्रीवास,प्रभूदयाल शेजवार पी.एल.ही. भिण्ड उपस्थित रहे।

मातृ-पितृ पूजन दिवस का ऐतिहासिक आयोजन बेंगलुरु आश्रम द्वारा योगेश्वरानंद स्कूल, ह्लसुरु में...

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरुः माता- पिता का आदर करने वाले चिर आदरणीय हो जाते हैं। उनकी आयु, विद्या, यश और बल यह चार चीजें बढ़ती हैं। 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मना कर पतन की खाई में जा रही, युवा पीढ़ी को पूज्य संत आशारामजी बापू ने एक उत्तम विकल्प दियें। विश्व मानव के उज्जवल भविष्य के लिए किये इसी स्वर्णिम संकल्प को फैलाने हेतु संत आशारामजी आश्रम, बेंगलुरु द्वारा शहर के विभिन्न स्कूलों व अन्य सामाजिक स्थलों में मातृ- पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 80 से भी अधिक स्कूलों में आयोजन हो चूका है (इनकी झलकियाँ आश्रम के वेबसाइट में देख सकते है) व इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए- 14 फरवरी (बुधवार) को रामकृष्ण मठ, हल्सुरु में स्थित योगेश्वरानंदा स्कूल में मातृ- पितृ पूजन दिवस का भव्य आयोजन हुआ । पूज्य बापूजी अपने सत्संग वचनामृत में कहते हैं- मातृ- पितृ पूजन दिवस इस दिन बच्चे अपने माता-पिता का पूजन कर उनका आदर सत्कार करेंगे तो निश्चित तौर पर वे एक महान नागरिक बनेंगे। नादान है वह लोग जो माता-पिता का अपमान करते हैं। माता-पिता तो वे रत्न हैं, जिनका देवता भी सम्मान करते हैं। माता-पिता अपने बच्चे की हर गलती को माफ कर हमेशा उसका हित ही चाहते हैं। बच्चे अपने माता-पिता का पूजन करते हैं तो इससे माता-पिता का हृदय तो गदगद हो जाता है, साथ ही बच्चे का हृदय भी पवित्र होता है इसलिए उन्होंने 14 फरवरी 2007 से मातृ- पितृ पूजन दिवस का शंखनाद किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना व दीप प्रज्वलन से हुई जिसमें बच्चों ने अपने माता-पिता को तिलक किया। उन्हें फूल की माला पहनाई, आरती उतारी, उनकी प्रदक्षिणा की एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त कर उनका मुंह मीठा किया। माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठें और बच्चों ने यह संकल्प किया कि- वे हर 14 फरवरी को इसी प्रकार अपने माता-पिता का पूजन कर उनका आशीर्वाद लेंगे। अंत में पूज्य बापू जी की मंगल आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में सहयोग हेतु सेक्रेटरी व प्रधानाचार्य- मनोरंजिता माता, उपप्रधानाचार्य- शांतम्मा व सभी शिक्षकों को आश्रम की तरफ से मोमेंटो- उपहार, संत दर्शन व माता- पिता को भूलना नही कैलेंडर दिए गए, उन्होंने आश्रम के इस कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की। बच्चों के लिए भी आश्रम की तर? से प्रसाद व आश्रम के नोटबुक- सत्साहित्य बांटे गए।

जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब विमान नगर पुणे ने शिक्षा के क्षेत्र में दिए 50 हजार रुपए

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पुणे । जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब विमान नगर पुणे के क्लब के सदस्यों ने मिलकर अपनी स्वेच्छा अनुसार समाज की होनहार प्रतिभा जो सीरवी एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित हॉस्टल में कर रही यूपीएससी की तैयारी हेतु कोचिंग सेंटर फीस के लिए अपने क्लब के सदस्यों द्वारा 50 हजार रुपए का सहयोग कर होनहार प्रतिभा के खाते में जमा की राशि।अपने क्लब की ओर से ये राशि शिक्षा के क्षेत्र में दी,इससे समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा सन्देश जायगा की हम खेल के साथ साथ समाज के होनहार प्रतिभाओं के लिए भी शिक्षा के क्षेत्र में जब भी जरूरत के समय सभी खिलाड़ी गण तैयार रहते है। क्लब के सदस्यों ने भी कहा कि खेल ओर शिक्षा एक विषय है जो हम शैक्षणिक मानते है, हम सभी पड़कर भी आए है क्यो नही हमारे युवाओं के लिए हम सब मिलकर शिक्षा और खेल को महत्व समझकर और समाज जनहित व विकास के कार्य में सहभागी बने व इससे होनहार प्रतिभाएं जरूर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित करेगी। आई आर एस अधिकारी विनोद व दुर्गाराम के निवेदन पर हम सभी क्लब के सदस्यों ने मिलकर अपनी स्वेच्छानुसार राशि का सहयोग प्रतिभा को किया। आगे भी जरूरत पड़ने पर जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब सदैव सेवा के लिए तत्पर है।वर्तमान स्थिति को देखते हुए जिस तरह शिक्षा की ज्यादा चलन और मांग है हम सभी समाजी बन्धुओं को आगे आकर होनहार प्रतिभाओ व वंचित बच्चों को जरूर शिक्षा व खेल में सहयोग प्रदान करना चाहिए।।आप सभी क्लब के सदस्यों को अखिल भारतीय सीरवी समाज व राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति की ओर से बहुत बहुत धन्यवाद व आभार प्रकट करते इस नेक काम के लिए। ये जानकारी हकाराम राठौड़ पुणे ने दी।

अमानक स्तर का घी तैयार करने वाली फर्म केसंचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर अमानक स्तर का घी तैयार कर आम जन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली फर्म मे. ऊर्जा मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट औरंगपुरा तहसील कसरावद के संचालक कपिल श्रीवास्तव के विरुद्ध बलकवाड़ा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एचएल अवास्या के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 5 नवंबर 2023 को औरंगपुरा स्थित फर्म का निरीक्षण कर वहां से दूध एवं उसे निर्मित सामग्री के नमूने जांच के लिए एकत्र किए थे और भोपाल की प्रयोगशाला भेजे गए थे। प्रयोगशाला में जांच के दौरान घी के नमूने अमानक स्तर के पाए गए हैं। जिसके कारण फर्म के संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ ही उसकी फर्म को सील बंद कर दिया गया है।

एटा में पत्रकारों ने राष्ट्रपति के नाम सौपा ज्ञापन

सपा एमएलसी और गोंडा भाजपा विधायक की माँग को पूरा करे सरकार बबलू चक्रबर्ती

व्यूरो सोनू कुमार माथुर पुष्पांजली टुडे

एटा 7 भारत की आजादी के आंदोलन में पत्रकारिता का भले एक बड़ा योगदान रहा हो, लेकिन आजाद भारत में पत्रकारों की बड़ी दुर्दशा हैं 7 न सुबिधा न सुरक्षा, हर तरफ बस जोखिम ही जोखिम उस पर भी सरकार की अनदेखी 7 आखिर पत्रकार करें तो क्या ड़ स्थिति कुछ ऐसी हैं कि पत्रकार जहाँ सर्दी गर्मी बरसात जैसे मौसम में समाचार कबरेज करते हैं, वहीं दंगा फसाद और प्राकृतिक आपदाओं के समय में भी अपनी जान जोखिम में डाल पत्रकारिता के दायत्वों का निर्वहन करते हैं 7 लेकिन इन सबके बाद भी पत्रकारों को देश प्रदेश की सरकारों द्वारा अनदेखा किया जा रहा हैं 7 हालाँकि पग पग के जोखिम उत्पीडन अत्याचार और सरकारों की अनदेखी से आहत पत्रकारों द्वारा तमाम ज्ञापन आन्दोलन किये गये, राजनैतिक नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने भी पत्रकारों की पीड़ा समझ उनके हित में आबाज उठाना शुरू कर दिया, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात समान ही हैं 7 बरहाल पूर्व ज्ञापन आंदोलन की भांति एटा के पत्रकारों ने फिर एक बार बबलू चक्रबर्ती के आवाहन पर सोती सरकार को जगाने के लिये शहर के शहीद पार्क स्थित सरदार भगत सिहं की प्रतिमा के समक्ष बैठक कर सर्वसम्मती से महामहिम राष्ट्रपति के नाम समस्याओं से सम्बन्धी ज्ञापन जनपद के जिलाधिकारी को सौपनें का निर्णय लिया और पत्रकारों की पीड़ा एवं हालातों को माँग पत्र में कुछ इस तरह प्रस्तुत किया 7 ज्ञापन में पत्रकारों ने लिखा कि आजादी के आंदोलन में पत्रकारों ने जो त्याग बलिदान किया उसे आजादी मिलनें के बाद बनने वाली सरकारें न जानें कैसे भूल गयी और पत्रकारों की दुर्दशा पर चुप्पी सादे हुये हैं 7 आगे लिखा कि आजादी से लेकर अब तक की सरकारों ने पत्रकारों की सुबिधा सुरक्षा पर न तो ध्यान दिया और न ही कोई

सहयोग में सकारात्मक कदम उठाये, परिणाम स्वरूप देश में पत्रकारों पर तमाम तरह से अत्याचार होता रहा, अभद्रता, मारपीट, हमले, हत्या, फर्जी मुकदमे जैसे तमाम उत्पीडन का पत्रकार सदैव शिकार हुआ, बाबजूद पत्रकार इन तमाम जोखिमों से जूझते हुये पूर्व से लेकर वर्तमान में भी पत्रकारिता के दायत्वों का पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन कर रहा हैं 7 लेकिन इन तमाम तरह के जोखिम, उत्पीडन अत्याचार और सरकार की अनदेखी से पत्रकारों और उनके परिवारों को जहाँ शारिरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही हैं, वहीं पत्रकार समाज में भय का माहौल बना हुआ हैं, जो न सिर्फ पारदर्शी पत्रकारिता के लिये घातक हैं, बल्कि लोकतंत्र के लिये भी बेहद हानिकारक हैं 7 हालांकि इन्हीं हालातों और परिस्थियों को समझते हुये हाल ही में समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने सदन की कार्यवाई के दौरान पत्रकारों के हित में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करनें, पत्रकारों को प्रतिमाह परिवार गुजारा भत्ता देनें और बीस लाख का कैशलैश उपचार करानें जैसी अन्य कई मांगें रखीं जिस पर गम्भीरता से संज्ञान लेकर सरकार को संदर्भित भी किया गया, इससे पूर्व गोंडा तरबगंज से भाजपा विधायक प्रेम नरायन पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बजट में पत्रकारों को स्वास्थ सुबिधा, बीमा, पेंशन, समाचार कबरेज भत्ता और विभिन्न शासकीय योजनाओं सहित अन्य समुचित सुबिधाओं का लाभ देनें की माँग भी की गयी, लेकिन न जानें क्या कारण रहे कि न तो अब तक भारत सरकार ने सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा की मांगों पर कोई निर्णय लिया और न ही भाजपा विधायक प्रेम नरायन पाण्डेय के माँग पत्र पर उत्तर प्रदेश सरकार ने कोई सकारात्मक कदम उठाया 7 यही नहीं देश के पत्रकारों ने भी सुबिधा सुरक्षा की माँग को लेकर समय समय पर ज्ञापन आंदोलन भी किये बाबजूद आज तक पत्रकारों को कोई समुचित सुरक्षा सुबिधा सरकार द्वारा नहीं दी गयी, जो आजाद भारत में पत्रकारों के साथ सरकार द्वारा किये जानें वाले सौतेले व्यवहार समान प्रतीत होता हैं 7 जिससे आहत होकर पुनः एटा के पत्रकारों ने अपने तय कार्यक्रम के तहत महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जनपद के जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिहं को सौपा और सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा द्वारा सदन में रखी गयी मांगों को पूरा करनें हेतु देश के राष्ट्रपति से माँग की 7 ज्ञापन के दौरान मुख्य रूप से अमोल श्रीवास्तव, बबलू चक्रवर्ती, एस कुमार माथुर आदित्य राय, अशोक राठौर,राज वर्मा, मिथुन गुप्ता, हर्षित गुप्ता, अशोक शर्मा, अरविन्द गुप्ता,आशु शर्मा, मुहिब अहमद, राजीव कुमार, अमित गुप्ता,अमित आर्य, मुकेश माथुर, मो.आसिफ, हर्षित सहित एटा अलीगंज, राजा का रामपुर से तमाम पत्रकार उपस्थित रहे ।

अता ऐ ख्वाजा फाउंडेशन द्वारा निशुल्क आई जांच शिविर का आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

महेश्वर। गुरूवार को अता ऐ ख्वाजा फाउंडेशन एवं शंकरा आई सेंटर इंदौर के सयुक्त तत्वधान में निः शुल्क आई कैंप मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया शंकरा आई सेंटर के चिकित्सक सहायक सोमी श्रीवास्तव , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ए. के. तारे द्वारा 98 मर्जी का परीक्षण किया गया जिसमे 27 को मोतियाबिंद पाया गया मरीजों को ऑपरेशन के लिए शंकरा आई सेंटर भेजा गया शंकरा आई सेंटर के प्रवीण वर्मा ने बताया की मरीजों का आना जाना रहना खाना ऑपरेशन फ्री रहेगा अता ए ख्वाजा फाउंडेशन के सदस्य अनवर अंसारी ने बताया की ऐसे शिविर आगे भी लगाये जायेगे मानव जाति के लिए उनकी सेवा के लिए हमेशा काम करेगे इस शिविर में शंकरा आई सेंटर इंदौर के आइरिश, क्रान्ति, उर्मिला, धर्मेन्द्र। महेश्वर से डॉक्टर इरफान मंसूरी और अशफाक बिस्मिल एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी इंदौर से मुस्तफा बादशाह ,शाहनवाज ,शादाब अता ऐ ख्वाजा फाउंडेशन से उस्मान अंसारी वसीम बरकाती फरहान खान वारिस अंसारी वारिश अंसारी, अनवर अंसारी अन्ना,समीर अंसारी, सारिक अंसारी,अल्ताफ रज़ा,कादिर अंसारी आदि मौजूद रहे।

विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से विकास कार्य को लेकर विस्तृत चर्चा की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल/भिण्ड । भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने मध्य प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से क्षेत्र के विकास को लेकर विशेष रूप से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के बारे में उनका ध्यान संज्ञान में लाया।विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री देवड़ा से कहा कि क्षेत्र में बहुत से विकास कर अधूरे पड़े हुए हैं उन कारों के लिए वित्तीय स्वीकृति जल्दी से जल्दी प्रदान की जाए ताकि विकास कर्म का निर्माण आगे गुणवत्ता के आधार पर बढ़ाया जा सके।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को आश्वासन दिया कि भिंड के विकास कर्म में हम कोई कमी नहीं आने देंगे एवं जल्दी ही स्वीकृत परियोजनाओं के फंड जारी किए जाएंगे।

पहड़िया में नवनिर्मित 6 मेगावाट वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के कमिशनिंग एवं ग्रिड सिंक्रो नाइजेशन (सी.ओ.डी.) कार्यक्रम आज उप मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

रीवा।रीवा क्षेत्रीय एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना (पी.पी. माडल) रीवा क्लस्टर अतर्गत नवनिर्मित 6 मेगावाट वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के कमिशनिंग एवं ग्रिड सिंक्रो नाइजेशन (सी.ओ.डी.) कार्यक्रम श्री राजेन्द्र शुक्ल उप मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आज 16 को अपरान्ह 2.30 बजे पहाड़िया ग्राम में आयोजित किया गया है। प्लांट में नगर निगम रीवा एवं सतना सहित, रीवा- सीधी सतना मैहर एवं मऊगंज जिले के 28 नगरीय निकायों से उत्पन्न होने वाले कचरे को एकत्रित कर 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। योजना की लागत 158.67 करोड़ रूपये है जिसमें 55 प्रतिशत राशि शासन द्वारा एवं 45 प्रतिशत राशि एमएसडब्ल्यू मैनेजमेन्ट सॉल्यूशन लिमिटेड रीवा द्वारा देय होगा तथा जिसका पूर्ण स्वामित्व रामकी इन्वायरो इजीनियर लिमटेड हैदराबाद का है। इस प्लाट से बनने वाली बिजली के क्रय हेतु ऊर्जा विभाग से अनुबंध किया गया है। क्लस्टर में सम्मिलित सभी 28 नगरीय निकायों से उत्पन्न होने वले 350 मीट्रिक टन प्रतिदिन कचरे का परिवहन कर वैज्ञानिक तरीके से कचरे का प्रसंस्करण करते हुये 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जायेगा। प्लाट के निर्मित हो जाने से वैज्ञानिक पद्धति से कचरे का निष्पादन होगा। कचरा जलने के उपरांत निकलने वाली राख का पुर्नउपयोग हो सकेगा, पुराने एकत्रित कचरे (लीगेसी बेस्ट) का निस्तारण हो सकेगा, तथा कचरे के जलने से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों का उपचारित कर वायुमंडल में छोड़ा जावेगा।कार्यक्रम में सांसद, जिलो के विधायक, नगर निगमों के महापौर, अध्यक्ष, पार्षद, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष, पार्षद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। आयुक्त नगर पालिक निगम रीवा श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति का अनुरोध किया गया है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से खाद्य सुरक्षा के संबंध में दिये निर्देश

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीमती बीरा राणा ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि खाद्य पदार्थो के नियमित रूप से नमूने लेकर उनकी जांच करायें। दूध तथा दूध से बने हुये विभिन्न खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता की निगरानी के लिए इनके सेम्पल की नियमित जांच करायें। खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट पाये जाने पर कठोर कार्यवाही करें। सभी कलेक्टर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी जांच की समीक्षा करें। सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी हर सप्ताह निर्धारित संख्या में सेम्पल लेकर उनकी जांच करायें। मिलावट करने वालों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर

कार्यवाही करें। सभी कमिश्नर खाद्य सुरक्षा अभियान की नियमित समीक्षा करें। जिलों में खाद्य सुरक्षा से संबंधित समिति की प्रत्येक तिमाही बैठक आयोजित कराकर उसमें लिये गये निर्णयों से अवगत करायें। खाद्य सुरक्षा अभियान की नियमित मानीटरिंग करें। खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलायें। आमजनता को सरल तरीके से खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने के उपायों की जानकारी दें। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सौरभ सोनवड़े, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करने एवं संयुक्त निगरानी दल बनाकर आकस्मिक निरीक्षण के दौरान नमूने लेंने के दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
जिले में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करने तथा संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा खाद्य कारोबारियों के यहां सेंपलिंग करने की कार्यवाही करें उक्त आश्य के निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बैठक में अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य विभाग व राजस्व विभाग का संयुक्त दल बनाकर मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माण विक्रय, परिवहन करने वालों के विरूद्ध निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को प्रतिदिवस के अनुसार लक्ष्य लेकर सेंपलिंग करने तथा प्रकरण बनाकर प्रस्तुत करने तथा कार्य में शिथिलता बरतने वाले खाद्य सुरक्षा अधिकारी को नोटिस देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि खाद्य कारोबारियों को लायसेंस

देने व रजिस्ट्रेशन किये जाने के लिये तहसील स्तर पर कैंप का आयोजन भी करें।कलेक्टर ने स्वसहायता समूहों का तीन दिवस में शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करने तथा विद्यालयों में हेल्थ क्लब का गठन तीन दिन में कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। दुग्ध शीत केन्द्रों व दुग्ध संग्रहण केन्द्रों की नियमित जांच करने तथा नमूने लिये जाने की कार्यवाही सतत करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजनों को दूध में मिलावट व अन्य मिलावट से होने वाले दुष्परिणाम हेतु जागरूक करें। खाद्य संगठनों से संबद्ध व्यक्तियों की कार्यशाला का आयोजन कर मिलावट से स्वास्थ्य पर दुष्परिणाम के बारे में बतायें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर गठित दल की सूची व की जाने वाली कार्यवाही का विस्तार से विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक नियमित हों इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। मैजिक बॉक्स व चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक जांच कर मौके पर ही जसी व लीगल नमूनें लेने की कार्यवाही सम्पादित कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। उन्होंने असुरक्षित खाद्य पदार्थों के प्रकरण बनाने के निर्देश खाद्य विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, सीईओ जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस आशीष दुबे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा और मऊगंज जिले की 27 समूहों की मदिरा दुकानों की नीलामी 23 फरवरी को

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
रीवा और मऊगंज जिले की 27 समूहों की मदिरा दुकानों की वर्ष 2024-25 के लाइसेंस के लिए दुकानों की नीलामी लॉटरी के माध्यम से 23 फरवरी को की जायेगी। नीलामी की कार्यवाही लाटरी के माध्यम से कलेक्ट्रेट सभागार रीवा में प्रातः 11 बजे आरंभ होगी। इस संबंध में सहायक आबकारी अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि लॉटरी की कार्यवाही जिला स्तरीय समिति द्वारा की जायेगी। नीलामी में शामिल होने के लिए बोलीदार 19 फरवरी को सुबह 10.30 बजे से 22 फरवरी को शाम 5.30 बजे तक आवेदन पत्र जिला आबकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र 22 फरवरी को शाम 6 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र के लिए 50 हजार रूपये शुल्क निर्धारित किया गया है।
सहायक आयुक्त श्री जैन ने बताया कि शासन द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए 27 समूहों की मदिरा दुकानों के नवीनीकरण के लिए वर्ष 2023-24 के वार्षिक मूल्य में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ नवीनीकरण का प्रस्ताव मांगा गया है। इच्छुक आवेदक मदिरा दुकानों के लायसेंस के नवीनीकरण के लिए 17 फरवरी को शाम 5.30 बजे तक 50 हजार रूपये की राशि जमा कर आबकारी कार्यालय से प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रपत्र 22 फरवरी को शाम 6 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति आनलाइन और आफलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। नवीनीकरण के लिए जिन मदिरा समूह के प्रस्ताव प्राप्त नहीं होगें उनके के लिए लॉटरी के माध्यम से नीलामी की कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए आनलाइन और आफलाइन आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। यदि जिले में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकान समूह के लिए आरक्षित मूल्य का 75 प्रतिशत अथवा इससे अधिक राशि का आवेदन पत्र प्राप्त होता तो ऐसी समस्त आवेदित मदिरा समूह का निष्पादन जिला समिति द्वारा पात्र आवेदक को किया जायेगा। आरक्षित मूल्य में 75 प्रतिशत से कम राशि का आवेदन प्राप्त होने पर इसे स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसके बाद समस्त मदिरा समूहों का निष्पादन आरक्षित मूल्य पर ई-टेंडर के माध्यम से किया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री आज आयेंगे रीवा – विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।.
उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 16 फरवरी को रीवा आयेंगे। उप मुख्यमंत्री 15 फरवरी को रात 10 बजे भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से प्रस्थान कर प्रातः 8 बजे रीवा पहुंचेगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में कैंसर शिविर की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उप

मुख्यमंत्री प्रातः 11.30 बजे से बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम के विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे से आयोजित बैठक में सिविल लाइन पार्क की निर्माण की प्रगति की तथा दोपहर 12.30 बजे से आयोजित बैठक में नवीन सर्किट हाउस निर्माण की समीक्षा करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे आमजनों से भेंट करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे ग्राम पहड़िया पहुंचकर बेस्ट टू इनर्जी प्लांट के कमिशनिंग एवं ग्रिड सिक्रोनाइजेशन कार्यक्रम में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री शाम 5 बजे कार द्वारा रीवा से बनारस के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री बनारस एयरपोर्ट से रात 9.30 बजे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री रात 11.15 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेगे तथा मध्यप्रदेश भवन में रात्रि विश्राम करेंगे।

हिमालय डांस के सितारे का सेमी फाइनल आडीशन 18 फरवरी को मानस भवन में शाम 5 बजे से

रीवा(पुष्पांजली टुडे)
।नवोदित कलाकारों को उत्कृष्ट मंच प्रदान करने नगर की हिमालय डॉस ग्रुप अकादमी की तैय्यारियॉ जोरो पर है। विगत दिनो रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, कटनी, जबलपुर, प्रयागराज में सलेक्ट प्रभागियों का आगामी 25 फरवरी को होने वाले डॉस सितारे फिनाले का सेमीफाइनल आडीशन राउंड स्थानीय मानस भवन में 18 फरवरी सायं 05:00 बजे से रखा गया है जिसमें मुंबई से निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध डॉस कोरियो ग्राफर निखिल मर्चेंट फाइनल में शामिल होने वाले डॉस कलाकारों का चयन करेगे। एकल, युगल समूह नृत्य आदि विधाओं में कलाकार अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे जिनको टी.वी.चैनल में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करने ट्रेनिग भी दी जायेगी। वरिष्ठ समाज सेवी नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में होने वाले इस गरिमामय कार्यक्रम के लिये पूरा सेटअप तैयार किया गया है। भाग लेने वाले कलाकार मो0 9329632941 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। यह जानकारी संयोजक सुमित मांजवानी ने दी है।

भवदीय
सुमित मांजवानी

आंदोलनकारियों के आगे नतमस्तक हुआ प्रशासन बिना शर्त जेल से हुए रिहा किसान नेता

रीवा । केंद्र एवं राज्य की तानाशाही हुकुम को आखिर आंदोलनकारियों के सामने नतमस्तक होना पड़ा और बिना शर्त संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं को जेल से रिहा करना पड़ा 11 फ़रवरी को संयुक्त किसान मोर्चा के किसान नेताओं द्वारा ऋषुराज पार्क में 01 बजे किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा बैठक की गई थी जिसमें तानाशाही सरकार के इशारे पर थाना सिविल लाइन की पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था तीन दिन तक नहीं छोड़ने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने 14 फरवरी 2024 को ज्ञापन सौंपने शासन प्रशासन को अल्टीमेटम दे दिया था कि यदि 14 फरवरी तक नहीं छोड़ा गया तो 01 बजे से विवेकानंद पार्क रीवा में सभी किसानों संगठन एवं श्रमिक संगठनों के नेता एकत्रित होकर पहले ज्ञापन देकर रिहाई की मांग करेंगें नहीं करने पर सीधा आर-पार लड़ाई के मूड होने की अशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने आखिरकार बिना शर्त ही आज किसान नेता शिव सिंह रामजीत सिंह इंद्रजीत सिंह शंखू शोभनाथ कुशवाहा संतकुमार पटेल अनिल सिंह जवा एड.शिवपाल सिंह को रिहा कर दिया जेल से छूटने पर आंदोलनकारी किसान नेताओं को

जेल से ससम्मान लाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा श्रमिक संगठन के साथियों का जेल परिसर में हुजूम उमड़ पड़ा जिंदाबाद के नारे तथा फूल मालाओं से नवाज कर क?ई गाड़ियों के काफ़िले के साथ विवेकानंद पार्क लाया जहां किसान नेताओं के साथ उनके समर्थकों ने किसान विरोधी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं आगामी 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी मजदूर आंदोलन को सफल बनाने संयुक्त किसान मोर्चा परिवार को दोपहर 12:00 बजे विवेकानंद पार्क पहुंचने का ऐलान किया जिसमें सीटू यूनियन के गिरजेश सिंह सेंगर सौरभ मिश्रा राष्ट्रीय मतदाता जागृति मंच के प्रदेशाध्यक्ष मास्टर बुद्धसेन पटेल मोर्चे के नेता कुंवर सिंह किसान सुब्रत मणि त्रिपाठी लालमणि त्रिपाठी भारतीय किसान यूनियन टिकैत के प्रदेश प्रवक्ता विश्वनाथ पटेल चोटीवाला उमेश पटेल प्रदेश महासचिव सीमेंट मजदूर यूनियन के राकेश कुमार सिंह संजय निगम सतना से किसान नेता के के शुक्ला शिवराम सिंह तेजभान सिंह चंद्रमल सिंह वीरेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह कमलेश्वर सिंह राजमल सिंह लालबिहारी सिंह महेंद्र सिंह ज्ञानेंद्र सिंह सेंगर बीकेयू जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पटेल रामनरेश सिंह अनूप सिंह धोनी एड रामजी पटेल बंसल समाज के अध्यक्ष प्रदीप बंसल राजाराम बंसल सुग्रीव सिंह पुष्पेंद्र सिंह मयंक सिंह अरुण गोलू मुंशीलाल पटेल रमेश सिंह दिनेश ओबीसी शेखर भारतीय जयभान सिंह राज पटेल विजय पटेल अरेज सिंह राजेन्द्र सिंह रिंकू ओम प्रकाश पटेल अनिल सिंह शिवमंगल सिंह अशोक सिंह भूपेंद्र सिंह रविनंदन सिंह विवेक पटेल फौजी यदुवंश प्रताप सिंह तौहीद खान धनंजय सिंह नीरज संतोष पटेल एडवोकेट विनोद सिंह पप्पू सुनील सिंह राजनीतिक दलों से बसपा नेता पंकज सिंह सेमरिया बसपा नेता धीरेन्द्र पटेल राजकुमार पटेल सचिन कुमार सर्वेश सिंह रमाकांत सिंह महेंद्र सिंह सहित अन्य संगठनों के लोग रहे मौजूद ।

देश में गऊ हत्या बंद होते ही सतयुग की लहर पूरे विश्व में दिखाई पड़ने लगेगी

समय बदलने वाला है, अब कुछ होने वाला है, कलयुग जाने वाला है, सतयुग आने वाला है

(ओडिशा)इस समय के महापुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि आदमी इधर-उधर के कामों में शरीर को लगाए रहता है। धन से, मन से पाप हो जाता है। उसकी वजह से भजन में बिल्कुल मन नहीं लगता है। कोई माला भी नहीं जपते हैं। बहुत से नामदानी जयगुरुदेव नाम भी भूल जाते हैं। उसका यही कारण है कि बहुत ज्यादा (कर्म) जमा हो गया है। उसको काटने के लिए प्रचार-प्रसार की व्यवस्था बना दी जाती है। लोगों को समझाओ, शाकाहारी नशामुक्त बनाकर भगवान से प्रेम कराओ, मौत की याद दिलाओ की दुनिया छोड़नी पड़ेगी। दिन-रात रूपी चूहे उम्र को काट कर खत्म कर दे रहे हैं। एक दिन यह शरीर धड़ाम से गिर जाएगा। इसमें सड़न, गलन, बदबू आने लग जाएगी। इससे कर्म कटेंगे फिर भजन में मन लगेगा।

गऊ हत्या बंद होते ही सतयुग की लहर पूरे विश्व में दिखाई पड़ने लगेगी–कलयुग में ही सतयुग के जाने की बात लिखी है। जगन्नाथ महात्मा यही उड़ीसा में हुए हैं। उनके किताब में लिखा हुआ है- ऐनी धेनी पुख नक्षत्र, करकट राशि, होगी तब धरती पर सतयुग का प्रादुर्भाव हो जाएगा। मैं आपको बता दूं, कब प्रादुर्भाव होगा- जिस दिन देश में गौ हत्या बंद हो जाएगी, उसी दिन से सतयुग का प्रादुर्भाव इस धरती पर दिखाई पड़ने लग जाएगा। सतयुग की लहर चलेगी जैसे गर्मी ब?ने पर उसका असर दूर तक जाता है, जैसे लू चलने पर उसकी हवा बहुत दूर तक जाती है, ऐसे ही सतयुग की किरण जब दिखाई पड़ेगी तो पूरे विश्व में फैलेगी और पूर्ण रूप से सतयुग इस धरती पर दिखाई पड़ने लगेगा, ऐसा समय आएगा।

आने वाली पीढ़ी, आपके बच्चों के लिए अच्छा समाज बन जाएगा–लेकिन उस समय पर कलयुगी लोग नहीं रहेंगे। यह सब या तो खत्म होंगे या सुधर जाएंगे। खत्म करना तो बहुत आसान है। लेकिन सुधारना थोड़ा कठिन है। उसमें मेहनत करनी पड़ती है। आप प्रेमियो! अगर मेहनत करोगे तो सुधर जाएंगे, आने वाली पीढ़ी के लिए, बच्चों के लिए एक अच्छा समाज बन जाएगा, समय पर जाड़ा गर्मी बरसात होने लग जाएगा

हृदय के सबसे बड़े विकार क्रोध को सहजयोग से जीता

जब जीवन में संतुलन का अभाव होता है, व हमारे भीतर प्रतिक्रिया करने का भाव अधिक होता है तो मस्तिष्क प्रतिक्षण विचारशील रहता है। विचारों का आभासी ज्ञान हमारे अहंकार को जन्म देता है जिसका विकास क्रोध के रूप में होता है। क्रोध के परिणाम अधिकांशतः सुखद नहीं होते। हम सभी इस अवगुण से मुक्त होना चाहते हैं परंतु उचित हल नहीं मिलता। सहजयोग इसके लिए अत्यंत उपयोगी मार्ग है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा वास्तविक ज्ञान का जो प्रकाश प्रज्वलित होता है वो हमें संतुलन प्रदान कर और समस्त अवगुणों से मुक्त कर देता है। सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माता

जी निर्मला देवी जी ने क्रोध के विषय में अपनी अमृतवाणी में वर्णित किया है कि, हृदय का सबसे बड़ा विकार है क्रोध। क्रोध आ जाता है तो जो पावित्र्य है वो नष्ट हो जाता है क्रोध हमारा तो शत्रु है ही, लेकिन वह सारे संसार का शत्रु है दुनिया में जितने भी युद्ध हुए, जो भी हानियाँ हुई हैं, ये सामूहिक क्रोध के कारण हुई हैं।(प.पू. श्री माताजी, दिल्ली, 30/3/1990) ÷ क्रोध आने का अभिप्राय है कि आपके अन्दर अशान्ति है और आप दूसरे व्यक्ति पर अनावश्यक आक्रमण करने के लिये क्रोधित होते हैं। मौन रहकर भी आप बहुत प्रभावशाली हो सकते हैं।(प.पू. श्री माताजी, 29/ 3/1999)अपने व्यक्तित्व में ओजस्विता, सौम्यता, शांति व संतुलन की स्थापना हेतु सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर आत्मज्ञान की जागृति का अवसर स्वयं को अवश्य प्रदान करें तथा विश्व भर के लाखों साधकों की भांति दिव्य नवजीवन में प्रवेश कर परमात्मा की असीम अनुकंपा से आशीर्वादित हों।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र के साथ सच्चा न्याय

30 जनवरी को हुए चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पीठासीन अधिकारी की धांधली के कारण भाजपा को जीत मिली है, यह आरोप आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ने लगाए। मामला पहले पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा और वहां से राहत नहीं मिली तो फिर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया गया। सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड ने कहा, 'यह लोकतंत्र का मजाक है। जो हुआ, हम उससे हैरान हैं। हम लोकतंत्र की इस तरह से हत्या नहीं होने दे सकते।' देश के मुख्य न्यायाधीश जिस बात पर हैरान थे, यानी लोकतंत्र का मजाक बनाने पर, लोकतंत्र की हत्या करने पर, उस पर विपक्ष समेत देश का एक बड़ा तबका बहुत लंबे वक्त से हैरान ही नहीं, परेशान भी है। लेकिन सोमवार को यह देखकर राहत मिली कि अब सुप्रीम कोर्ट को भी इस पर दुखद हैरानी हुई है। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार की ओर से दाखिल की गई इस याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पदीर्वाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की बेंच कर रही थी। अपनी सख्त टिप्पणी में मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ ने कहा कि-'पीठासीन अधिकारी मतपत्र में बदलाव करते दिखे हैं। क्या ये एक रिटर्निंग ऑफिसर का बर्ताव होना चाहिए? वो कैमरे की ओर देखते हैं और मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ करते हैं। जिस मतपत्र के नीचे क्रॉस का निशान बना हुआ है, उसे ये ट्रे में रख देते हैं। जिस मतपत्र के ऊपर क्रॉस नहीं बना हुआ है, उसे ये बिगाड़ देते हैं और फिर कैमरे की ओर देखते हैं। इनसे बताइए कि सुप्रीम कोर्ट इन्हें देख रहा है। हम लोकतंत्र की ऐसे हत्या नहीं होने देंगे। देश में स्थिरता लाने की सबसे अहम शक्ति चुनाव प्रक्रिया की शुचिता है।' शीर्ष अदालत से आई इस टिप्पणी को शायद निर्वाचन आयोग से लेकर केंद्र सरकार के तमाम दफ्तरों में चस्पां करने की जरूरत है। चंडीगढ़ के मेयर पद के चुनाव को लेकर हार का डर शायद भाजपा को पहले से था, इसलिए पहले पीठासीन अधिकारी के बीमार होने को वजह बताकर चुनाव की तारीखें बढ़वाई गईं और जब 30 जनवरी को चुनाव हुए तो संयोग से पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा की गई तथाकथित छेड़छाड़ कैमरे में कैद हो गई। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने जिसे लोकतंत्र की हत्या कहा है, वह दरअसल लोकतंत्र की सुपारी देने जैसा गंभीर अपराध है, क्योंकि यहां हत्या गैरइरादतन नहीं, बल्कि रणनीति के तहत करवाई गई है। अनिल मसीह को अदालत से फटकार लग चुकी है, हो सकता है उन पर मुकदमा चले और दिखाने को कार्रवाई भी हो। लेकिन उसके बाद क्या लोकतंत्र को खत्म करने का खेल रुक जाएगा। क्या अनिल मसीह को इसका अकेले जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, या फिर अदालत की नजर में वे लोग भी आएंगे, जिनके कहने पर अनिल मसीह जैसे अधिकारी कठपुतलियों की मानिंद काम करते हैं। अभी तो एक अदने से चुनाव के लिए इतना दुस्साहस दिखाया गया है, लेकिन जहां लोकसभा में बाकायदा आंकड़ों के साथ ऐलान हो रहा है कि हम 400 सीटें जीतेंगे और तीसरी बार सत्ता में आएंगे, वहां और कितने खेल होंगे, क्या इस बारे में भी शीर्ष अदालत को विचार नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के ही कुछ वकीलों ने बाकायदा ईवीएम के खिलाफ मोर्चा खोलकर बताया है कि किस तरह ईवीएम हैक करके वोटों में गड़बड़ी हो सकती है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने अंतिम सत्य की तरह ऐलान कर दिया है कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती। अगर निष्पक्ष चुनाव पर जनता के एक तबके को संदेह है, तो क्या उस संदेह को दूर करने के लिए खुद निर्वाचन आयोग को पहल नहीं करना चाहिए या फिर गुलाम भारत की तरह जनता की बात तभी सुनी जाएगी, जब कोई आंदोलन खड़ा हो। क्या सुप्रीम कोर्ट ईवीएम पर कोई स्वत: संज्ञान लेकर देख पाएगा कि इसमें भी लोकतंत्र को कुचला जा रहा है या नहीं। चंडीगढ़ चुनाव में धांधली के आरोप तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ने शुरू से लगाए हैं, लेकिन शीर्ष अदालत ने यह तभी देखा, जब वहां याचिका दाखिल हुई। अगर याचिकाकर्ता हिम्मत हार जाते, तब क्या हत्या किसी को नजर नहीं आती। यह केवल एक मामला ही नहीं है, जहां लोकतंत्र की प्रक्रिया को कुचला गया हो। सोमवार को ही झारखंड में चम्पाई सोरेन की सरकार ने विश्वासमत हासिल कर अपनी सरकार बचा ली, वर्ना झारखंड का हश्र भी बिहार की तरह हो सकता था। लेकिन इस बचाव के लिए कितने यत्न करने पड़े, क्या यह शीर्ष अदालत को नहीं दिखा। विधायकों की खरीद-फरोख्त अब आम बात हो गई है, इसलिए विधायकों को बचाने के लिए रिजार्ट पॉलिटिक्स का नया चलन देश में निकला है। अभी बिहार में बहुमत परीक्षण से पहले कांग्रेस अपने विधायकों को सुरक्षित रखने के लिए बाहर ले जा चुकी है। कहीं भी चुनाव होते हैं और बहुमत के आंकड़े में जरा सी ऊंच-नीच की आशंका होती है, तो फौरन विधायकों की बाड़ेबंदी शुरू हो जाती है।

रिवाज

लेखिका सुरेखा मेहरा

जल्दी तैयार हो जा बेटी देखने वाले आते ही होंगे स्नेहा की माँ बार बार स्नेहा को ताक ीद कर रही थी पर स्नेहा तो बस अपने मन के हिसाब से ही बस ऐसे ही ठीक हूँ की जिद पकड़कर बैठी थी ।माँ ने भी कोई और चारा चलता ना देख अपनी मूक स्वीकृति दे दी थी। थोड़ी ही देर में सागर भी आ गया अपने परिवार के साथ तो औपचारिक बातचीत के बाद घरवालों ने दोनों को अकेला छोड़ दिया बात करने के लिए । स्नेहा पूछे भी तो क्या पूछे ?और कहे भी तो क्या कहे ? कि तभी गहरी चुप्पी को तोड़ता हुआ सागर बोल पड़ा स्नेहा जी प्रेम और शादी विश्वास की नींव पर टिके होते हैं एक बार जो यह ध्वस्त हुआ तो दोनों की इमारत भरभरा कर गिर जाती है । स्नेहा समझ नहीं पा रही थी कि सागर क्या कहना चाहता है ? कि सागर ने फिर कहना शुरू किया श्रुति यही नाम था उसका ।पहले स्कूल ,फिर कॉलेज यहाँ तक कि नौकरी भी इकट्ठी की हम दोनों ने और कब हम एक दूसरे की जरूरत बन गए हमें खुद भी नहीं पता चला अंतजार्तीय विवाह मेरे और उसके परिवार वालों को मंजूर नहीं था इसलिए हमने उनको मनाने की कोशिशें असफल होती देख कोर्ट मैरिज कर ली उनको बिना बताये पर नियति को शायद कुछ और ही स्वीकार था तो वो ट्यूमर की वजह से एक साल बाद ही चल बसी । मुझे अपनी यादों के सहारे छोड़ गयी जाते -जाते इस वचन के साथ कि मैं उसे भूलकर दोबारा शादी कर लूँगा ।आज उसे गए हुए पाँच साल हो गए हैं पर ना उसे भूल पाया हूँ और ना उसकी यादों को । मुझे आप पसंद हो अगला निर्णय आप पर छोड़ता हूँ जो भी होगा मुझे स्वीकार होगा ।स्नेहा अपलक सागर को निहारती रह गयी थी । सागर की माँ ने पूछा लड़की कैसी लगी? जबकि बेटे के दिल का हाल वो बखूबी जानती थी कि तभी स्नेहा की माँ ने बताया कि स्नेहा ने शादी के लिए हाँ कर दी है । सागर मन ही मन खुश था अपने दिल का बोझ हल्का करके और इस बात से कि उसे एक सुलझी हुई जीवन संगिनी मिल रही है । 2 महीने बाद दोनों की शादी हो गयी। इस बीच ना स्नेहा ने सागर के अतीत का कहीं जिक्र किया और ना ही सागर कर पाया । हँसी खुशी भरे माहौल के बीच दोनों की शादी सम्पन्न हुई । दोनों पक्षों के लोगों ने वर-वधू को ढेरों आशीष दिए । स्नेहा भी हँसी खुशी विदा होकर अपनी ससुराल आ गयी । रात को उसकी जेठानी ने कमरा बहुत अच्छी तरह सजाया और फिर एक नया तौलिया स्नेहा को देते हुए बोली । ताउम्र सम्भालकर रखना इसे काम आएगा बहुत । स्नेहा को कुछ समझ नहीं आया तो जेठानी ने उसकी मन: स्थिति को पढ़ते हुए कहा कि ये तौलिया ही उसकी पवित्रता का सबूत होगा ।ये भी एक रिवाज है । तभी स्नेहा की सास आकर बोली अपनी बड़ी बहू से कि स्नेहा को सारी बातें समझा दी हैं ना बहू । सागर जो अब तक कमरे में आ गया था को खुश रहने का आशीष देकर दोनों चली गयी । पर स्नेहा के मन में उधेड़बुन चल रही थी कि बहू की पवित्रता को साबित करने के तो कई रिवाज बनाये लोगों ने । सारे रिवाज बेटियों के लिए ही क्यों ? क्या कभी कोई अपने बेटों की पवित्रता साबित करने को भी रिवाज बना पाएगा ? क्या बेटों के लिए भी कोई रिवाज होगा?

मोदी के आत्मविश्वास से भरा आमचुनाव का गणित

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास एवं कर्मठता से भरकर कहा कि मैं ऐसे आँकड़ों में नहीं पड़ता लेकिन मैं देख रहा हूं कि देश का मिजाज भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें पार करवाकर रहेगा। भाजपा इस बार चुनावों में 400 पार का नारा दे रही है। 2019 चुनावों में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। निश्चित ही इतने बड़े आंकडे की घोषणा करने के पीछे नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच, विकास की राजनीति एवं राष्ट्र-विकास का संकल्प है, वहीं विपक्ष एवं कांग्रेस की नकारात्मक सोच, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैया उसके लगातार कमजोर होने के कारण हैं। प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के रूप एकजुट हुआ विपक्ष उनको चुनौती देगा, क्योंकि विपक्षी एकजुटता विखर चुकी है। मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही। स्वयं तो विफल रही ही, बल्कि विपक्ष में भी कुछ होनहार लोगों को उभरने नहीं दिया। कांग्रेस की नकारात्मक एवं संकीर्ण राष्ट्र-विरोधी राजनीति को देश की जनता महसूस करने लगी है। कांग्रेस किस तरह नकारात्मक राजनीति का शिकार

है यह लोकसभा में ही तब देखने को मिला जब सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चैधरी ने बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए। ध्यान रहे ऐसे ही सवाल पाकिस्तान खड़े करता रहा है। आखिर उन्हें पाकिस्तान के स्वरों में स्वर मिलाने एवं उसको रास आने वाला बयान देने की जरूरत क्यों पड़ गई? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, वह बार-बार कभी पाकिस्तान तो कभी चीन की तरफदारी करती रही है। मोदी विरोध के नाम पर वह राष्ट्र-विरोध पर उतरती रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं की और भी वजहें हैं, जिनमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जैसे चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करना है। भारत अब विश्व-गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी-20 देशों का महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी भारत की विश्व स्तर पर मजबूत होने की स्थिति को दर्शा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार।

कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस की जनता पर पकड़ ढ़िली पड़ती जा रही है, उसके बयानों में कोई बुनियादी मुद्दें नहीं होते, बार-बार बेरोजगारी की चर्चा सुनने को मिलती है, जबकि 2014 से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट केवल 12 लाख करोड़ के आसपास था। बीते 10 सालों में बजट बढ़कर 44 लाख करोड़ हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कितनी नौकरियां पैदा हुई होंगी। आज युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने। आज चारों तरफ स्टार्टअप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। 2014 के पहले डिजिटल इकोनॉमी का साइज ना के बराबर था। आज भारत, दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी है। लाखों युवा इससे जुड़े हैं और उनके सपनों को पंख लगे हैं। इसी तरह महिलाओं को सम्मानजनक जिन्दगी देने एवं उनके विकास को अग्रसर करने में मोदी सरकार ने व्यापक प्रयत्न किये हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। निश्चित ही अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी और उनका तीसरा कार्यकाल इन दृष्टियों से ऐतिहासिक होगा, यह आम जनता में पनप रहा विश्वास है।

मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चैंकाने वाले लगते हैं। अयोध्या से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति आगामी लोकसभा चुनाव की जमीन बनेगी। स्पष्ट है, आम चुनाव में अब बहुत दिन शेष नहीं है, और दोनों मोर्चों की बिसात कमोबेश बिछ चुकी है। हालांकि, एक तरफ भाजपा जैसा सुगठित दल हैं, जिसके पास मोदी जैसा एक मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है। जबकि उसे चुनौती देने वाले मोर्चे में फिलहाल काफी उथल-पुथल है। ऐसे में, यदि विरोधी खेमा नहीं चेता, तो प्रधानमंत्री ने जिन आंकड़ों के साथ जीत का दावा किया, वह यदि सच हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल अपनी सरकार की उपलब्धियां न गिनाकर, विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर तंज के तीर बरसाए, इसके पीछे उनका स्पष्ट राजनीति मकसद रहा है। प्रधानमंत्री मोदी यह बखूबी जानते हैं कि अपने प्रतिपक्षी को कभी कमतर नहीं आंकना चाहिए, फिर अगले लोकसभा चुनाव के महासंग्राम में जिस पार्टी से उनका सबसे अधिक सीटों पर आमना-सामना होना है, उसकी कमियों, उसके अंतर्विरोधों, उसकी नाकामयाबियों एवं नकारात्मक सोच को देश की जनता के सामने रखना अधिक प्रभावी एवं मनोवैज्ञानिक तरीका है, उस पर दबाव बनाने एवं उसे कमजोर साबित करने का। मोदी इसमें माहिर है एवं राजनीतिक परिवक्वता से भरे हैं। प्रेषक:

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन,

लोकतंत्र के साथ मजाक तो अर्से से हो रहा है, मी लॉर्ड!

डॉ. दीपक पाचपोर

वर्तमान चीफ जस्टिस को देश में लोकतंत्र व न्याय के दृष्टिकोण से आशा की अंतिम किरण के रूप में देखा जा रहा है। फिर भी कई बार ऐसे फैसले आते हैं, या फिर अपेक्षित निर्णय नहीं आते, कि उससे हैरत तो होती ही है, निराशा भी कम नहीं होती। न्यायपालिका से जनता की आशाओं का पूरा न होने से बढ़कर लोकतंत्र व कानून का दूसरा कोई बड़ा मजाक नहीं हो सकता; और वह अक्सर होता रहता है। हाल ही में चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में जिस प्रकार से पीठासीन अधिकारी ने कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी के 8 वोटों को साफ जान पड़ती दुर्भावना तथा षड़यंत्रपूर्वक रद्द करते हुए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया, उससे सियासी तूफान तो पहले से ही उठा हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि, 'यह लोकतंत्र के साथ मजाक है। लोकतंत्र की हत्या है।' दरअसल यह मामला आप के मेयर पद के उम्मीदवार रहे कुलदीप कुमार द्वारा उच्चतम न्यायालय ले जाया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेवी पादीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई के दौरान वकील अभिषेक मनु संघवी द्वारा पेश किया गया वह वीडियो देखा जिसमें पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह 8 बार अपना पेन इधर-उधर घुमाते दिखाई दे रहे हैं। इतने ही वोट अवैध बतलाकर निरस्त कर दिये गये जबकि चंडीगढ़ नगर निगम में कांग्रेस-आप के पास 20 एवं भाजपा के पास 16 वोट हैं। इतने वोट रद्द कराकर भाजपा उम्मीदवार को विजयी घोषित कराना सारी कहानी को साफ-साफ बयां करता है। इस वीडियो को देखकर नाराज न्यायाधीशों ने अनेक प्रकार की सख्त टिप्पणियां की हैं और कई तरह के निर्देश भी दिये हैं। पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट को न्याय करने में असफल करार देते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया का पूरा रिकार्ड सुरक्षित रूप से हाईकोर्ट के पास जमा कराया जाये। सुको ने नगर निगम की सभी अगली कार्रवाइयों पर रोक भी लगा दी है। शीर्ष कोर्ट ने सरकारी वकील को कहा है कि वे 'पीठासीन अधिकारी को बतलाएं कि उन्हें न्यायालय देख रहा है।' अगली सुनवाई में उन्हें स्वयं सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित रहने के निर्देश भी दिये गये हैं, जो कि 12 फरवरी को

निर्धारित की गयी है। देखना तो यह है कि सर्वोच्च अदालत ने जितनी सख्त टिप्पणी की है, सजा भी उतनी ही सख्त होने जा रही है या फिर किसी न किसी आधार पर अपराध की गम्भीरता को कमतर मानते हुए चंडीगढ़ मेयर चुनाव के पीठासीन अधिकारी की सजा को भी नरम सी, हल्की-फुल्की, चेतावनी जैसा कुछ जारी कर दिया जायेगा अथवा फिर माफी ही दे दी जायेगी? सवाल तो यह है कि कोर्ट-कचहरी की एक मुकम्मल व्यवस्था के रहते हुए एक अधिकारी नियमों की ऐसी धज्जियां उड़ाने की हिम्मत कर कैसे सकता है? जाहिर है, जो जिम्मेदार पद पर बैठा है, वह कानूनी प्रावधानों को जानता ही होगा। आखिरकार नियमों से तो वह कतई अनभिज्ञ नहीं होगा। असली में वह चारों ओर देख रहा है कि सभी तरह के नियमों व कानूनों को तोड़ने वाली राजनीतिक शक्तियां विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, स्वायत्त संस्थाओं एवं संवैधानिक संस्थानों पर इस कदर हावी हैं कि इन सभी का काम केवल सत्ता एवं सत्तारुढ़ भाजपा की हां में हां मिलाना रह गया है। अब तो ऐसा कोई भी मंच नहीं रह गया है जहां लोकतंत्र का मजाक उड़ाने वाले तत्व धमाल न मचा रहे हों।

संसद में न केवल महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपी शान से बैठते हैं बल्कि सत्ताधारी दल के एक सदस्य अल्पसंख्यक विपक्षी सदस्य को संप्रदाय से जुड़ी भद्दी व असंसदीय गालियां देते हैं। उसी सदन में वे लोग भी मंत्री बनकर बैठे हुए हैं जिनका बेटा सरेआम अपने वाहन से आंदोलन कर रहे किसानों को कुचल देता है। एक राज्य में कद्दावर नेता के पुत्र अधिकारी को बीच सड़क पर बैट से भरपूर मारते हैं और कोई कार्रवाई तक नहीं होती। दंगों व सामूहिक बलात्कार के आरोपियों की सजा अच्छे चाल-चलन के आधार पर माफ कर दी जाती है तो वहीं बलात्कार-हत्या का आरोपी एक कथित संत हर दो-चार माह में पैरोल पर निकल आता है और अपने आश्रम में कुछ समय बिताकर जेल लौट जाता है।

पिछले कुछ दिनों से लोकतंत्र की हत्या और उसके साथ मखौल कुछ ज्यादा ही बढ़ चला है, इतना कि सारा देश ही उसका आनंद उठा रहा है। न्यायपालिका को तेजी से कार्यपालिका स्थानापन्न कर रही है और सजा दिलाने के लिये आरोपियों को न्यायाधीश के सम्मुख खड़ा करने के बजाये खुद ही बुलडोजर चला रही है। सुको को इस बात पर भी गुस्सा नहीं आता कि उसकी जगह विध्वंसक मशीनों ने ले रखी है। आरोपी के साथ पूरे परिवार को बेघर करने के पीछे कौन सा कानून व तर्क काम करता है और कार्यपालिका कब से न्यायपालिका की जिम्मेदारियां निभाने लग गया है, यह सभी जानते हैं। यह देखकर अब न्यायपालिका ने हैरत में पड़ना बन्द कर दिया है कि किसी का भी अवैध निर्माण किसी राज्य सरकार व प्रशासन को तभी क्यों दिखलाई पड़ता है जब उसे पता चलता है कि आरोपी अल्पसंख्यक है अथवा किसी गैर भाजपायी दल से उसका सम्बन्ध है। लोकतंत्र के साथ मजाक तो तब भी हुआ था जब हेट स्पीच करने वाले एक केन्द्रीय मंत्री व सांसद को यह कहकर बरी कर दिया गया था कि 'बयान मुस्कुराकर दिया गया है, लिहाजा वह अपराध की श्रेणी में नहीं आता।' उससे बड़ा मजाक तो तब भी होते हैं जब सत्ता दल से जुड़े लोगों के चुनावी भाषणों के खिलाफ की गयी शिकायतों को निर्वाचन आयोग तब तक नहीं सुनता जब तक कि चुनाव लगभग पूरे नहीं हो जाते, जबकि विपक्षी दलों के नेताओं के बयानों को शीघ्रता से संज्ञान में लिया जाता है। देश में लोकतंत्र की हत्याओं की वेरायटी और उसके साथ होने वाले मजाकों की रेंज असीम है। राज्यपालों का ही देखें तो उनके द्वारा विवेकाधिकार के मनमाने उपयोग के खिलाफ कई तरह की शिकायतें पहुंचती हैं परन्तु फैसले वे ही आते हैं जो भाजपा की सुविधा वाले होते हैं। न जाने कितने ही पत्रकार, लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के नेता जेलों में डाल दिये गये हैं, पर उनके फैसले तो दूर, उन्हें जमानत देने में में भी न्यायालय घबराती है। वह केवल तारीखें देती है। अब तो जनता को साफ संदेश जा चुका है कि खुद न्यायपालिका घबराई हुई सी प्रतीत होती है। जाहिर है कि कुछ समय पहले इसी घबराई हुई कोर्ट के चार जस्टिसों ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर बतलाया था कि खास तरह के मामले एक जस्टिस विशेष की अदालत में ही जाते हैं। उनमें से एक जस्टिस बाद में मुख्य न्यायाधीश बनते हैं, एक खास फैसला सुनाते हैं और रिटायर होने के बाद सीधे राज्यसभा में जा बैठते हैं। यह न्यायपालिका द्वारा खुद के साथ किया हुआ मजाक है कि अब विरोधी दलों के नेताओं के विरूद्ध प्रवर्तन निदेशालय के ज्यादातर मामले एक ही जस्टिस के सामने प्रस्तुत होते हैं जिनका सम्बन्ध गुजरात से है। वह महिला जस्टिस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वहां जिम्मेदार पद पर थीं। इस मजाक की भी इन दिनों काफी चर्चा है।

बेशक, वर्तमान चीफ जस्टिस को देश में लोकतंत्र व न्याय के दृष्टिकोण से आशा की अंतिम किरण के रूप में देखा जा रहा है। फिर भी कई बार ऐसे फैसले आते हैं, या फिर अपेक्षित निर्णय नहीं आते, कि उससे हैरत तो होती ही है, निराशा भी कम नहीं होती। न्यायपालिका से जनता की आशाओं का पूरा न होने से बढ़कर लोकतंत्र व कानून का दूसरा कोई बड़ा मजाक नहीं हो सकता; और वह अक्सर होता रहता है। लोगों को उम्मीद है कि यदि लोकतांत्रिक प्रणाली के सभी अंग, संस्थाएं व संगठन लोकविरोधी हो जायें तो भी कम से कम न्यायपालिका नामक मशाल नागरिकों को अंधकार में रास्ता दिखाती मिलेगी।

हाल में कई ऐसे मौके आये हैं जब देश में कानून को सत्ता की शह पर बेखौफ ठेंगा दिखाया गया लेकिन अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। उम्मीद है, मी लॉर्ड कि चंडीगढ़ मामले में ऐसा नहीं होगा!

भूदान के बाद अब भू-मुक्ति

- रमाकांत नाथ

'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने। खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया। परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया। इस तरह उन्होंने गरीबी, अभाव और दरिद्रता को दूर करने में एक मजबूत योगदान दिया।

स्वतंत्र भारत में हुए अनेक आंदोलनों में से विनोबा भावे के नेतृत्व वाला 'भूदान आंदोलन' सबसे महत्वपूर्ण आंदोलनों में से एक है। इस आंदोलन के माध्यम से विनोबा भारत में क्रांति लाने में सफल रहे। विनोबा की क्रांति भारत की मूल समस्याओं के समाधान में एक बड़ा कदम थी। आर्थिक असमानता को दूर करने में आंदोलन के प्रयास उल्लेखनीय थे।

आजादी के ठीक बाद एक और स्वतंत्रता आंदोलन आया जिसे भारत के लोगों की आर्थिक मुक्ति कहा गया। भारत की राजनीतिक मुक्ति के बाद विनोबा के आर्थिक स्वतंत्रता के प्रयासों और 'भूदान आंदोलन' ने भारतीयों के मन में हलचल पैदा कर दी। विनोबा की भूदान यात्रा, भूदान यज्ञ का प्रचार और उसके बाद ग्रामदान, जिलादान, राज्यदान, संपत्तिदान और जीवनदान के आंदोलन ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी। यह आन्दोलन कुछ ही दिनों में जन आन्दोलन में बदल गया।

यह आंदोलन भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी शुरू हुआ। चीनी भू-राजनीतिक व्यवस्था का अनुसरण करते हुए भारत में भी वैसी ही व्यवस्था लागू करने की सोच रखने वाले विनोबा अंतत: तेलंगाना से शुरू होकर भूदान की गंगा को पूरे देश में फैलाने में सफल रहे। भूदान के आह्वान ने जमींदारों से दान में मिली जमीन को भूमिहीनों में बांटकर विनोबा ने नई राह दिखाई, नए विचार पैदा किए, दुनिया के अरबों लोगों को दान की संस्कृति से परिचित कराया और कई लोगों की आंखें खोलने में मदद की।

पौराणिक युग में जमीन के लिए महाभारत युद्ध से शुरू होकर, हाल के दिनों में कई देशों में जमीन के लिए मानव का संघर्ष बहुत अधिक हुआ है। कहां राजशाही और राजशाही के हाथों से धरती माता को मुक्त कराने की पुकार है और कहां जमींदारों और जागीरदारों के हाथों से धरती को मुक्त कराने का प्रयास है। इन कोशिशों के बीच कितनी जानें गईं और कितना खून बहा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। यह जमीन देशों के बीच युद्धों का कारण है, परिवारों के बीच संघर्ष का कारण है। उसी प्रकार यह जमीन भाइयों के बीच झगड़े का कारण होती है। इन अंतहीन संघर्षों, युद्धों तथा हिंसा को समाप्त करने की आवश्यकता है। 'भूदान आंदोलन' ने पूरे देश में जो चेतना विकसित की, उसने दुनिया में जो सांस्कृतिक वातावरण तैयार किया, उसका मूल्यांकन करने की जरूरत है। 'भूदान आंदोलन' के परिणामस्वरूप, कई बेघर परिवार भूमि प्राप्त करने और अपनी आजीविका में सुधार करने में सक्षम हुए, उनके जीवन में बदलाव संभव हुआ।

इसी प्रकार, जिन लोगों ने भूमि दान करके अपनी उदारता का परिचय दिया, वे समाज के सामूहिक विकास में भाग लेने में सक्षम हुए, लेकिन भूदान की सफलता आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। सरकारी नीतियों ने अमीरों को और अमीर तथा गरीबों को और गरीब बनाने में मदद की है। इसके कारण अमीर-गरीब के बीच की खाई नहीं मिट सकी, विषमताएं समाप्त नहीं हो सकीं और करुणा से परिपूर्ण समतामूलक समाज संभव नहीं हो सका।

वह दिन था, 18 अप्रैल 1951। आज के तेलंगाना राज्य के पोचमपल्ली गांव में बाबा विनोबा के अनुरोध और प्रोत्साहन से भारत के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा। उस दिन की घटना ने विश्व में जिस नये आन्दोलन को जन्म दिया, वह था 'भूदान आन्दोलन।' जब तेलंगाना की निराश्रित, अत्यंत गरीब जनता, भूख हड़ताल पर बैठी महिलाएं अपराध करने से नहीं हिचकिचाईं, जब संबंधित क्षेत्रों में खून के प्यासे लोगों का खून-खराबा होने लगा, तो संत विनोबा का हृदय टूट गया। उन्होंने तेलंगाना जाकर वहां के विद्रोहियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और वहां के गरीब लोगों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के प्रयास शुरू किये। इसके परिणामस्वरूप

'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने। खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया। परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया।

IND vs ENG: इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के किस मैच में मिलेगा जसप्रीत बुमराह को आराम? बीसीसीआई सूत्र ने बताया

नई दिल्ली. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाना है। दोनों ही टीमों के लिए यह मुकाबला काफी अहम होने वाला है। दरअसल, यह सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज की थी, वहीं विशाखापट्टनम में भारत ने हिसाब चुकता किया था। अब सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोनों टीमों की नजरें बढ़त बनाने पर होगी। ऐसे में भारत और इंग्लैंड दोनों ही अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरना चाहेगा।

कुछ दिनों से क्रिकेट के गलियारों में खबरें हैं कि जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करने के लिए भारतीय टीम उन्हें तीसरे टेस्ट से आराम दे सकती है। टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट से मोहम्मद सिराज को भी आरम दिया था। हालांकि जसप्रीत बुमराह जैसे मैच विनिर को रोहित शर्मा इतने इंपोर्टेंट मैच में रेस्ट देने का रिस्क नहीं लेना चाहेंगे। बूम-बूम इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

ऐसे में अब खबर आ रही है कि बीसीसीआई बुमराह को तीसरे नहीं बल्कि चौथे टेस्ट में रेस्ट दे सकता है। सीरीज का चौथा मुकाबला रांची में खेला जाना है। अगर भारत राजकोट टेस्ट जीतता है तो उनके पास एक मैच की बढ़त होगी जिस वजह से उनके पास बुमराह को रेस्ट देने का मौका होगा। अगर रांची में इंग्लैंड जीत भी जाता है तो भारत के पास धर्मशाला में सीरीज जीतने का मौका होगा।

बीसीसीआई सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, ÷रांची में चौथे टेस्ट के लिए उन्हें आराम दिया जा सकता है, जिसका मतलब है कि वह मार्च की शुरुआत में धर्मशाला में पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए तरोताजा और सक्रिय रहेंगे, जो इस करीबी मुकाबले वाली सीरीज का निर्णायक हो सकता है। यही वह पॉइंट है जहां बुमराह की उपस्थिति से फर्क पड़ेगा।

रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा ने खोया आपा, जब पूछा गया ससुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर सवाल

नई दिल्ली.पिछले सप्ताह टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा कुछ अलग वजहों से चर्चा में रहे थे। जडेजा के पिता अनिरुद्ध सिंह ने एक इंटरव्यू दिया और इस इंटरव्यू ने खलबली मचा दी। अनिरुद्ध ने अपनी बहू रिवाबा पर घर तोड़ने का आरोप लगाया और साथ ही कहा कि रविंद्र जडेजा और रिवाबा से उनकी कोई बातचीत नहीं होती है। पिता के इंटरव्यू के वायरल होने के बाद रविंद्र जडेजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने कहा कि कोई उनकी पत्नी की छवि खराब करना चाहता है। खैर अब इन सबके बीच जब रिवाबा से ससुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर सवाल किया गया, तो उनको काफी गुस्सा आ गया। जी के रिजनल चैनल जी24कलाक पर इसकी एक क्लिप शेयर की गई है, जो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रही है।

रिवाबा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की विधायक हैं। इस वीडियो में रिवाबा से सवाल भी गुजराती में पूछा गया है और वह जवाब भी गुजराती में ही दे रही हैं। एक पब्लिक इवेंट में जब रिवाबा से पूछा गया कि उनके ससुर ने जो आरोप लगाए हैं, उसके बारे में वह क्या कहेंगी, तो उनके चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था।

रिवाबा ने जवाब में कहा, हम यहां क्यों हैं आज? अगर ये सब आपको जानना है तो मुझसे डायरेक्ट कॉन्टैक्ट करिए। रविंद्र जडेजा की बात करें तो इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दौरान रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए थे। जडेजा चोटिल होने के चक्कर में दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे। तीसरे टेस्ट मैच के लिए उनकी स्क्वॉड में वापसी तो हो गई है, लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम की फाइनल रिपोर्ट के बाद ही तय होगा कि क्या वह तीसरा टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे या नहीं। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से खेला जाना है।

एमएस धोनी से भी 'सुपर फास्ट' हैं बेन फॉक्स क्योंकि...

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर का हैरतअंगेज दावा

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर एलेक स्टीवर्ट ने बेन फॉक्स को एमएस धोनी से भी 'सुपर फास्ट' करार दिया। इंग्लैंड के 30 वर्षीय विकेटकीपर फॉक्स इन दिनों भारत में टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं।

भारत के पूर्व कप्तान और धाकड़ विकेटकीपर एमएस धोनी की विकेट के पीछे की फुर्ती किसी से छिपी नहीं है। वह पलभर में जिस तेजी से प्लेयर को पवेलियन की राह दिखाते हैं, उसकी दुनिया कायल है। 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं। 42 वर्षीय धोनी आईपीएल में अनेक मर्तबा सुपर फास्ट% स्पीड से क्रिकेट फैंस का दिल जीत चुके हैं। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 195 स्टंप आउट करने वाले प्लेयर हैं। वह (634) सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की फेहरिस्त में तीसरे नंबर स्थान पर हैं।

वहीं, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर एलेक स्टीवर्ट ने एक हैरतअंगेज दावा किया है। स्टीवर्ट का कहना है कि इंग्लैंड के 30 वर्षीय बेन फॉक्स विकेट के पीछे धोनी से भी %सुपर फास्ट% हैं। बता दें कि फॉक्स फिलहाल भारत में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। उन्होंने शुरुआती दो टेस्ट में 6 पकड़ने के अलावा दो स्टंप आउट किए हैं। उन्होंने नवंबर 2018 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था और अभी तक कुल 66 कैच लिए और 9 स्टंपिंग कीं। उन्होंने 22 टेस्ट खेले हैं। फॉक्स को 2019 के बाद से सीमित ओवर फॉर्मेट में मौका नहीं मिला। उन्होंने उस साल इंग्लैंड के लिए एकमात्र वनडे और टी20 खेला। स्टीवर्ट ने द टाइम्स से बातचीत में कहा, एमएस धोनी तेज थे लेकिन फॉक्स के गेम में सबसे तेज हाथ हैं। गेंद उनके पास रहती है। वह ऐसे काम करते हैं जो कोई और नहीं कर सकता। उनके हाथ जैसी स्पीड किसी की नहीं। उनके पास बड़ा नेचुरल टैलेंट है। स्टीवर्ट ने आगे कहा कि फॉक्स शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हैं और लोगों को उनकी बैटिंग को कम नहीं आंकना चाहिए। फोक्स ने 22 टेस्ट मैचों में 30.72 की औसत से 1014 रन बनाए हैं, जिसमें चार अर्द्धशतक और दो शतक शामिल हैं।

पूर्व विकेटकीपर ने कहा,लोगों को उनकी बल्लेबाजी को कम नहीं आंकना चाहिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका औसत 40 का है और जब वह इंग्लैंड के लिए खेले तो कुछ मैच जिताने वाली साझेदारियों में शामिल रहे। आपको ना केवल शारीरिक रूप से फिट और मजबूत होने की जरूरत है बल्कि मानसिक रूप से भी फिट और मजबूत होने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप कोई मौका चूक जाते हैं तो आप उससे कैसे निपटते हैं? वह इसमें अच्छे हैं।

IND vs ENG: ध्रुव जुरेल का डेब्यू लगभग पक्का, तीसरे टेस्ट के भारत के प्लेइंग XI में जानिए किसका कटेगा पत्ता?

नई दिल्ली. India vs England xrd Test Match: इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम मैदान पर 15 फरवरी से खेला जाना है। सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है और ऐसे में तीसरे टेस्ट मैच का रिजल्ट दोनों टीमों के लिए काफी अहम होगा। दोनों ही टीमें इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगी। पहले दोनों टेस्ट मैच काफी रोमांचक रहे हैं, ऐसे में तीसरे टेस्ट मैच में भी मैदान पर कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। राजकोट में भारत की ओर से विकेटकीपर ध्रुव जुरेल डेब्यू कर सकते हैं। केएस भरत को विकेटकीपर के तौर पर टेस्ट टीम में बैक टू बैक मौके मिले, लेकिन वह कुछ खास अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाए हैं।

30 साल के केएस भरत ने भारत की ओर से कुल सात टेस्ट मैच खेले हैं, इस दौरान उन्होंने 12 पारियों में 20 के मामूली औसत से महज 221 रन बनाए हैं। केएस भरत टेस्ट में एक भी 50+ स्कोर नहीं बना पाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच की चार पारियों में केएस भरत ने क्रम से 41, 28, 17 और 6 रन बनाए हैं। ध्रुव जुरेल की बात करें तो 23 साल के इस विकेटकीपर बैटर ने अभी तक एक भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ध्रुव ने 15 मैचों की 19 पारियों में 46.47 की औसत से कुल 790 रन बनाए हैं। ध्रुव ने एक शतक और पांच अर्धशतक ठोके हैं। ऋषभ पंत के बाद से टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया विकेटकीपर बैटर को लेकर चिंतित रही है। केएस भरत को जो मौके मिले, वह उन्हें भुना नहीं पाए। वहीं लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में तो केएल राहुल विकेटकीपर बैटर का रोल आसानी से निभा लेते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस रोल से उनकी बैटिंग पर इसका खराब असर भी पड़ सकता है।

IND vs ENG: प्लेइंग XI को लेकर रोहित-द्रविड़ को सुलझानी होगी ये पांच गुत्थी, सिलेक्शन को लेकर होगी जबर्दस्त माथापच्ची

नई दिल्ली. India vs England पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाना है। ऐसी खबरें आ रहीं हैं कि राजकोट में पिच स्पिनरों की मददगार होगी और साथ ही थोड़ा स्लो भी रहेगी, ऐसे में इंडिया और इंग्लैंड दोनों को प्लेइंग इलेवन को लेकर कुछ माथापच्ची करनी पड़ सकती है। भारत के लिए प्लेइंग इलेवन चुनना ज्यादा मुश्किल हो सकता है क्योंकि पांच ऐसी गुत्थियां जिसे सुलझाए बिना कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ प्लेइंग इलेवन को लेकर

फाइनल कॉल नहीं ले पाएंगे। चलिए जानते हैं कि रोहित और द्रविड़ को मिलकर कौन से पांच सवालों के जवाब ढूंढने होंगे।

1- रजत पाटीदार या सरफराज खान?

2- केएस भरत या ध्रुव जुरेल?

3- चार स्पिनर या दो पेसर का कॉम्बिनेशन?

4- मोहम्मद सिराज या मुकेश कुमार?

5- क्या रविंद्र जडेजा हैं पूरी तरह फिट?

रजत पाटीदार को विराट कोहली के रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड में शामिल किया गया था। दूसरे टेस्ट में उन्हें डेब्यू करने का मौका भी मिला। पाटीदार ने 32 और 9 रनों की पारी खेली थी। सरफराज खान को दूसरे टेस्ट से पहले टेस्ट स्क्वॉड का न्योता मिला था। जब रविंद्र जडेजा और केएल राहुल चोटिल होकर बाहर हो गए थे। केएल राहुल तीसरे टेस्ट में वापसी कर सकते हैं, लेकिन श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद सरफराज या रजत में से किसी एक का प्लेइंग XI में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है।

सरफराज का फर्स्ट क्लास रिकॉर्ड देखते हुए उन्हें इस सीरीज में मौका नहीं देना नाइंसाफी होगी और रजत को एक मैच के प्रदर्शन के आधार पर बाहर करना भी नाइंसाफी होगी।

ईशान किशन पर गिर सकती है गाज, रणजी ट्रॉफी ना खेलने वाले खिलाड़ियों से खुश नहीं BCCI

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई उन क्रिकेटरों को एक कड़ा संदेश भेजने की तैयारी में है जो इस समय ना तो टीम इंडिया का हिस्सा है और ना ही रणजी ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड ऐसे खिलाड़ियों से काफी नाखुश है और जल्द ही उनके लिए एक आदेश जारी कर सकता है। इस सूची में सबसे आगे विकेट कीपर बल्लेबाज ईशान किशन का नाम है। ईशान ने साउथ अफ्रीका दौरे पर अचानक टीम मैनेजमेंट से ब्रेक की मांग की थी, इसके बाद वह लगातार क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। टीम इंडिया के हेड कोच कह चुके हैं कि अगर किशन को टीम में वापसी करनी है तो उन्हें कुछ क्रिकेट खेलना होगा।

हालांकि ईशान ने अभी तक रणजी ट्रॉफी का एक भी मैच नहीं खेला है। कुछ दिनों पहले एक खबर आई थी कि ईशान किशन ने पांड्या ब्रदर्स के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि ईशान किशन रणजी ट्रॉफी नहीं बल्कि आईपीएल के लिए तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई रणजी ट्रॉफी के दौरान खिलाड़ियों के आईपीएल मोड में आने से काफी नाराज है।

बीसीसीआई सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, ÷अगले कुछ दिनों में, सभी खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी में अपनी राज्य टीम के लिए खेलने के लिए बीसीसीआई द्वारा सूचित किया जाएगा, जब तक कि वे राष्ट्रीय ड्यूटी पर नहीं हैं। केवल उन खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी जो अनफिट हैं और एनसीए में रिहैब कर रहे हैं। बोर्ड जनवरी से पहले से ही आईपीएल मोड में आने वाले कुछ खिलाड़ियों से बहुत खुश नहीं है। हालांकि सूत्र ने यहां किसी भी खिलाड़ी का नाम खुलकर नहीं लिया है, मगर यह समझा जा रहा है कि यह वॉर्निंग ईशान किशन के लिए ही है।

India vs England

इयान चैपल का ये बयान चुभ सकता है श्रेयस अय्यर को, कुलदीप यादव को मिली वाह-वाही

पृथ्वी शॉ का पहला टारगेट मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी जीतना है, ना कि भारतीय टीम में वापसी करना। वही चाहते हैं कि वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद टीम में वापस आएं और अपनी जगह बनाएं।

नई दिल्ली. India vs England पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम मैदान पर खेला जाना है। सीरीज के बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड में श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। दूसरे टेस्ट मैच खत्म होने के बाद खबर आई थी कि अय्यर के बैक में अकड़न है, जबकि ग्रोइन एरिया में भी उन्हें दर्द महसूस हो रहा है और इसी वजह से उन्हें बचे हुए तीन टेस्ट मैच से बाहर किया जा सकता है। बाकी तीन टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड का जब ऐलान हुआ, तो इसमें अय्यर का नाम नहीं था, लेकिन साथ ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से उनकी इंजरी पर भी कोई अपडेट नहीं था। जिसके बाद ये कयास लगाए गए कि अय्यर को चोट के चलते नहीं बल्कि उनके खराब प्रदर्शन के चलते स्क्वॉड से बाहर किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल

ने टीम इंडिया के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और सिलेक्टर्स को अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि अय्यर की बैटिंग को लेकर ज्यादा आशावादी होने की जरूरत नहीं है।

इयान चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर अपने कॉलम में लिखा, इंडिया मजबूत टीम है और रोहित शर्मा के रूप में उनके पास अच्छा कप्तान भी है। रविंद्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी से उनकी टीम को मजबूती और ज्यादा मिलेगी। लेकिन विराट कोहली पूरी सीरीज में वापसी नहीं करेंगे, यह झटका है। उम्मीद करता हूं कि सिलेक्टर्स अब श्रेयस अय्यर की बैटिंग को लेकर ज्यादा आशावादी नहीं होंगे और कुलदीप यादव की विकेट चटकाने की क्षमता की वैल्यू करेंगे।

श्रेयस अय्यर ने आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इंजरी के बाद जब से उन्होंने वापसी की है, तब से वह कुछ खास लय में नहीं दिखे हैं। सीरीज के पहले दो मैचों की चार पारियों में अय्यर ने महज 104 रन ही बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में अय्यर की बैटिंग की बात करें तो उन्होंने पिछली 13 पारियों में एक भी 50+ स्कोर नहीं बनाया है।

IND vs ENG: तीसरे टेस्ट के लिए राजकोट पहुंची टीम इंडिया

रोहित शर्मा और केएल राहुल को होटल में मिला प्रेसिडेंशियल सुइट

होटल के डायरेक्टर उर्वेश पुरोहित ने एक इंटरव्यू में बताया कि थीम वाले कमरों के पीछे का इरादा खिलाड़ियों के लिए एक ताजा सांस्कृतिक बदलाव प्रदान करना है। टीम 11 से 19 फरवरी तक राजकोट में रुकेगी।

नई दिल्ली. इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाना है। इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम राजकोट पहुंच चुकी है। टीम 11 से 19 फरवरी तक राजकोट के सयाजी होटल में रुकेगी। इस होटल में टीम इंडिया के सिर्फ दो खिलाड़ियों को प्रेसिडेंशियल सुइट दिया गया है जिसकी थीम सौराष्ट्र विरासत पर अधारित होगी। ये दो प्रमुख खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल हैं। आने वाले दिनों में खिलाड़ी किन व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे इसके बारे में भी पता चला है। होटल के डायरेक्टर उर्वेश पुरोहित ने आजतक को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि थीम वाले कमरों के पीछे का इरादा खिलाड़ियों के लिए एक ताजा सांस्कृतिक बदलाव प्रदान करना है। उन्होंने 13 फरवरी को फाफड़ा-जलेबी, खाखरा, गाठिया, थेपला और खमन जैसे स्थानीय पसंदीदा व्यंजनों वाले विशेष नाश्ते पर प्रकाश डालते हुए टीम के लिए तैयार किए गए पाक व्यंजनों के बारे में बताया। वहीं रात के खाने में पारंपरिक काठियावाड़ी व्यंजन जैसे दही टिकारी, वाघेरेला रोटलो (दही और लहसुन के साथ भूनी हुई एक पारंपरिक बाजरे की रोटी), और बहुत पसंद की जाने वाली खिचड़ी कढ़ी शामिल होगी। खैर बात अब इस सीरीज के करें तो भारत और इंग्लैंड के लिए राजकोट टेस्ट काफी अहम रहने वाला है। तीसरे टेस्ट में दोनों टीमों की नजरें सीरीज में बढ़त बनाने पर होगी। फिलहाल 5 मैच की यह सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, वहीं विशाखापट्टनम में भारत ने उस हार का हिसाब चुकता कर सीरीज में बराबरी की थी। राजकोट टेस्ट तय करेगा कि सीरीज किस टीम की झोली में जाने वाली है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें अपने बेस्ट प्लेइंग 11 के साथ मैदान पर उतरने की होगी। इंग्लैंड को इस मैच से पहले बड़ा झटका यह लगा है कि उनके प्रमुख स्पिनर जैक लीच चोट के चलते सीरीज से बाहर हो गए हैं।

यौन उत्पीड़न के आरोप से घिरे ढाका विवि के प्रोफेसर को तीन माह की छुट्टी पर भेजा गया

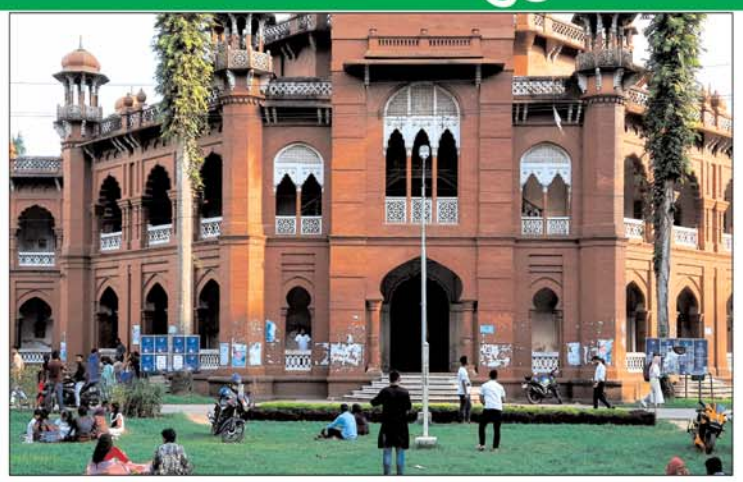

ढाका। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नादिर जुनैद को तीन माह की छुट्टी पर भेज दिया गया। साथ ही उन्हें इस अवधि में शैक्षणिक गतिविधियों से पूरी तरह अलग रहना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला प्रोफेसर नादिर जुनैद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगने के बाद लिया। बांग्लादेश के समाचार पत्र द डेली स्टार के अनुसार, इस घटना का खुलासा होने पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सोमवार को जमकर नारेबाजी की। छात्र आंदोलन के हिंसक रूप लेने की आशंका के मद्देनजर अधिकारियों ने कल दोपहर यह फैसला लिया। डीयू के जनसंचार और पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अबुल मंसूर अहमद ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। रजिस्ट्रार कार्यालय से मिले पत्र को प्रोफेसर मंसूर ने प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों के सामने पढ़ा। तब छात्रों ने अपना आंदोलन वापस लिया। इससे पहले आरोप की जांच की मांग को लेकर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने कक्षाओं का बहिष्कार किया। उन्होंने मांग की कि आरोपित प्रोफेसर को जांच अवधि तक सभी तरह की शैक्षणिक गतिविधियों से मुक्त रखा जाए। प्रोफेसर मंसूर ने कहा कि वह इस मुद्दे को अगली सिंडिकेट बैठक में उठाएंगे। रविवार को पीड़ित छात्रा ने वाइस चांसलर को प्रोफेसर नादिर के खिलाफ यौन उत्पीड़न करने की लिखित शिकायत दी थी।

इजराइल ने रफाह में बम बरसाकर दो बंधक छुड़ाए, 74 की मौत

रफाह। मिस्र की सीमा के पास गाजा के दक्षिणी शहर रफाह में इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने ताबड़तोड़ हवाई हमला कर बम बरसाते हुए फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के कब्जे से दो बंधकों को सुरक्षित रिहा करा लिया। रातभर हुई ताबड़तोड़ बमबारी में फिलिस्तीन के कम से कम 74 नागरिकों की जान चली गई।

अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना ने बिना किसी नुकसान के दो बंधकों को एक भी खरोंच आए बिना हमास के ठिकाने से बाहर निकाल लिया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भीड़भाड़ वाले शहर में दर्जनों फिलिस्तीनी मारे गए हैं। जिन दो लोगों को बचाया गया है, उनमें फर्नांडो साइमन मार्मन (60) और लुईस हार (70) शामिल हैं। दोनों के पास इजराइल और अर्जेंटीना की दोहरी नागरिकता है। दोनों के स्वास्थ्य की जांच तेल अवीव के एक अस्पताल में की जा रही है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, इस ताजा घटनाक्रम का असर अन्य बंधकों की रिहाई पर इजराइल और हमास आतंकवादी समूह के बीच समझौते के प्रयास पर नहीं पड़ेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, मिस्र, इजराइल और कतर के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच मंगलवार को काहिरा में बातचीत फिर से शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अब तक गाजा से 42 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। अमेरिका (व्हाइट हाउस) दो बंधकों की रिहाई से खुश है। व्हाइट हाउस ने ऑपरेशन के दौरान फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी का कहना है कि रफाह से दो बंधकों की रिहाई की सूचना सुखद है। अब बाकी 134 बंधकों की रिहाई कराना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैट मिलर ने कहा है कि बंधकों को छुड़ाने के लिए ऑपरेशन चलाने का इजराइल को "अधिकार" है। इस बीच, बेरुत में हमास के नेता ओसामा हमदान ने कहा है कि इजराइल बंधकों की रिहाई को लेकर गंभीर नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी आज दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचेंगे यूएई, अबू धाबी में करेंगे भव्य हिंदू मंदिर का उद्घाटन

नई दिल्ली/अबूधाबी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज (मंगलवार) संयुक्त अरब अमीरात की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंच रहे हैं। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वो अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर 'बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था' मंदिर का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अबू धाबी में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे।

नई दिल्ली में विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री से भी भेंट करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन-2024 में हिस्सा लेंगे।

क्वात्रा के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और प्रधानमंत्री मोदी द्विपक्षीय बैठक के दौरान आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। पिछले आठ महीने में प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति से यह पांचवीं भेंट होगी।

अबू धाबी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बारे में जारी विज्ञप्ति के अनुसार मोदी जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में 'अहलान मोदी' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। आयोजकों का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात में खराब मौसम के बावजूद यहां रहने वाले भारतीय समुदाय के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। 2,500 से अधिक लोगों ने भारी बारिश के बावजूद फुल ग्राउंड रिहर्सल की।

भारत में यूएई के राजदूत अब्दुलनासिर अलशाली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से "बेहद महत्वपूर्ण" बताते हुए उम्मीद जताई कि यह सामरिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

खलीज टाइम्स अखबार के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार शामअबू धाबी के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में 'अहलान मोदी' कार्यक्रम के दौरान 60,000 से अधिक भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि भारतीय समुदाय की "जबरदस्त प्रतिक्रिया" के कारण पंजीकरण बंद कर दिया गया है।

बुधवार को भारतीय प्रधानमंत्री सबसे पहले दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2024 में हिस्सा लेंगे। वह शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण देंगे।

मोदी के स्वागत के लिए यूएई में जबरदस्त तैयारी पर मौसम का असर, भारी बारिश से कार्यक्रम छोटा किया गया

अबूधाबी/दुबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा हैं। वहीं वहां बसे भारतीय लोगों में दीवानगी बढ़ती जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले अहलान मोदी कार्यक्रम के लिए कराए गए पंजीकरण से यह साफ झलक रही है। इस कार्यक्रम के लिए 65 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है।

संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में मंगलवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम 'अहलान मोदी' (अरबी में हैलो मोदी) को छोटा कर दिया गया है। इस कार्यक्रम की तैयारियों में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि यूएई में खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया है।

दरअसल, संयुक्त अरब अमीरात में रात भर बिजली की चमक के साथ भारी बारिश हुई है, जिसके कारण शहर में ट्रैफिक जाम और जलभराव की स्थिति है। समुदायिक नेता सजीव पुरूषोतमन ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि अबू धाबी के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी के अब तक के सबसे बड़े प्रवासी कार्यक्रमों में से एक की तैयारी अच्छी चल रही थी, लेकिन मौसम के कारण लोगों की भागीदारी 80,000 से घटाकर 35,000 कर दी गई है।

हालांकि, पहले यह बताया गया था कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वेबसाइट के माध्यम से 60,000 लोगों ने पहले ही रजिस्ट्रेशन करवा लिया था। इसमें केवल भारतीय मूल के ही लोग शामिल होंगे।

पुरूषोतमन के मुताबिक, अहलान मोदी में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर 1000 से ज्यादा स्वयंसेवकों के साथ 500 से अधिक बसें संचालित होंगी।

वहीं, अबू धाबी में भारतीय दूतावास के एक सूत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किए जाने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम में 45,000 लोग शामिल होंगे। यूएई में लगभग 35 लाख भारतीय रहते हैं। इसके साथ ही खाड़ी देश यूएई में सोमवार सुबह से ही सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिए गए हैं।

यूएई की अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी 13 फरवरी को अहलन मोदी कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। इंडियन पीपल फोरम के अध्यक्ष और अहलन मोदी पहल के नेता जितेंद्र वैद्य ने इस आयोजन की अनूठी प्रकृति के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह अनोखे प्रकार का आयोजन है क्योंकि इसे आयोजन करने वाला कोई एक संगठन नहीं है। इसकी व्यवस्था एक पूरा समुदाय कर रहा है। जैसा कि आप जानते होंगे कि जब पीएम मोदी का नाम आता है, तो लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं। यह पीएम मोदी के लिए लोगों का प्यार है।

संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि जैसे ही कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की संख्या 65,000 तक पहुंची उन्हें पंजीकरण रोकना पड़ा, क्योंकि वे और अधिक लोगों को शामिल नहीं कर सकते थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार से शुरू होने वाली अपनी यात्रा में यूएई और कतर में प्रवासी भारतीयों के साथ भारत के गहरे जुड़ाव को मजबूत करेंगे। संयुक्त अरब अमीरात में पहला हिंदू मंदिर बनकर तैयार है। इस मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को प्रधानमंत्री करेंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि मंदिर का उद्घाटन पीएम की यूएई यात्रा का अहम हिस्सा है। उस दिन लगभग 2000-5000 भक्तों के मंदिर में आने की उम्मीद है। पीएम मोदी की 2015 के बाद से यह यूएई की सातवीं यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम मोदी यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेता आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री दुबई में आयोजित होने वाले वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2024 में गेस्ट आफ आनर के रूप में भी भाग लेंगे और एक विशेष भाषण देंगे।

उन्होंने कहा कि 14 फरवरी को प्रधानमंत्री की कतर की दूसरी यात्रा दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व को साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा के साथ-साथ पारस्परिक महत्व के विभिन्न क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगी।

यूके अंग्रेजी परीक्षण घोटाला: भारतीयों, अन्य विदेशी छात्रों ने अपना नाम साफ करने के लिए फिर कोशिश शुरू की

लंदन। कई भारतीयों सहित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का एक समूह, जिनका वीजा लगभग 10 साल पहले ब्रिटेन में अंग्रेजी भाषा की परीक्षाओं में धोखाधड़ी के आरोप के बाद रद्द कर दिया गया था, मामले में अपना नाम साफ कराने के लिए नए सिरे से प्रयास कर रहे हैं। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में अदालत में ताजा सबूत पेश किए गए हैं जो 35 हजार अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के खिलाफ गृह कार्यालय के धोखाधड़ी के आरोपों पर सवाल उठाते हैं।

बीबीसी की 2014 की डॉक्यूमेंट्री में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए ब्रिटेन के दो भाषा परीक्षण केंद्रों पर धोखाधड़ी के आरोपों की रिपोर्टिंग के बाद गृह कार्यालय ने इन छात्रों के वीजा को अचानक समाप्त कर दिया, जिससे रातों-रात देश में उनका रहना अवैध हो गया। समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि आव्रजन प्रवर्तन टीमों द्वारा छात्रों के आवास पर सुबह छापेमारी के बाद लगभग ढाई हजार छात्रों को निर्वासित कर दिया गया।

लगभग 7,200 छात्रों ने हिरासत की धमकियों के बाद देश छोड़ दिया, जबकि हजारों लोग "त्रुटिपूर्ण साक्ष्य" का विरोध करते रहे क्योंकि वे बेघर होने, भारी कानूनी फीस और तनाव-प्रेरित बीमारियों से जूझ रहे थे।

न्यायाधीशों और वॉचडॉग की रिपोर्टों में धोखाधड़ी के सबूतों में खामियों को उजागर करने के बाद, लगभग तीन हजार 600 ने गृह कार्यालय के खिलाफ अपील जीती, जबकि उनमें से बाकी कानूनी कार्रवाई करने की बड़ी लागत के कारण ऐसा नहीं कर सके।

अब्दुल कादिर मोहम्मद (36), जिन्होंने 2010 में लंदन में व्यवसाय का अध्ययन करने के लिए भारत छोड़ दिया था, ने घोटाले में अपना नाम साफ करने के लिए 20 हजार पाउंड से अधिक खर्च किए, जिससे वह और उनका परिवार कर्ज में डूब गया।

पाकिस्तान में फिर प्रधानमंत्री बनने की राह पर नवाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक बार फिर नवाज शरीफ प्रधानमंत्री बनने की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। देश में अगली सरकार गठबंधन वाली होगी और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) विपक्ष में बैठेगी।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार नवाज शरीफ की पार्टी-पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज), बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) आपसी तालमेल करके पाकिस्तान में नई सरकार बना सकते हैं।

वहीं पीपीपी का एक वर्ग अभी भी बिलावल के लिए प्रधानमंत्री पद की पैरोकारी कर रहा है। इसलिए पांच वर्ष के सरकार के कार्यकाल में नेतृत्व को लेकर साझेदारी का समझौता संभव है, जिसमें शुरूआती तीन वर्ष पीएमएल एन को और बाद के दो वर्ष पीपीपी को मिल सकते हैं। इस बीच निर्दलीय सांसदों और विधायकों का पीएमएल एन में शामिल होना जारी है। नवाज की पार्टी को सरकार बनाने के लिए सेना का समर्थन भी माना जा रहा है।

पीटीआई प्रमुख गौहर अली खान ने देश में सरकार बनाने के दावे से पीछे हटते हुए सोमवार को कहा, हम नवाज की पीएमएल एन और पीपीपी के साथ नहीं बैठ सकते। इसलिए हमने उनसे सरकार बनाने के संबंध में बात नहीं की। उनके साथ गठबंधन करके सरकार बनाने से अच्छा है कि हम विपक्ष में बैठें। लेकिन सभी को ध्यान रखना चाहिए कि हम बहुमत में हैं। चुनाव में तमाम गड़बड़ियों के बावजूद पीटीआई के सबसे ज्यादा प्रत्याशी जीतकर नेशनल असेंबली (संसद) में आए हैं। इसलिए मजबूत विपक्ष की भूमिका अदा करेंगे। संसद में बैठकर सभी समस्याओं का समाधान करेंगे।

चुनाव आयोग ने जिन 101 निर्दलियों के जीतने की घोषणा की है उनमें से ज्यादातर पीटीआई द्वारा समर्थित हैं। पीएमएल एन ने 75 सीटें, पीपीपी ने 54 और एमक्यूएम ने 17 सीटें जीती हैं। जबकि अन्य दलों ने भी 17 सीटें जीती हैं। एक सीट का परिणाम चुनाव आयोग ने रोक रखा है जबकि एक सीट पर प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसलिए सरकार बनाने के लिए फिलहाल 133 सांसदों का समर्थन जरूरी है। 336 सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में 266 सदस्यों को मतदाता चुनकर भेजते हैं, जबकि 70 सदस्य नामित होते हैं।

इन नामित सदस्यों में 60 महिलाएं होती हैं, जबकि 10 अल्पसंख्यक वर्ग के होते हैं। सरकार को नेशनल असेंबली में बहुमत साबित करने के लिए 169 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी।

वहीं किसी भी दल को बहुमत न मिलने से देश में राजनीतिक अनिश्चितता का असर पाकिस्तान के शेयर बाजार में सोमवार को दिखाई दिया और शुरूआती कारोबार में सूचकांक 2,200 अंक तक नीचे गया।

चुनाव में अपने दलों को जनता द्वारा नकारे जाने के बाद इस्तेहकाम ए पाकिस्तान पार्टी के प्रमुख जहांगीर खान तरीन और पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ-पार्लियामेंटेरियन के प्रमुख परवेज खटक ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की है। ये दोनों ही एक समय इमरान की पार्टी पीटीआई के प्रमुख नेता थे, लेकिन इमरान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई, 2023 को हुई हिंसक घटनाओं और उसके बाद प्रशासन के दमन के चलते तरीन और खटक ने पीटीआई छोड़कर अपने अलग दल बना लिए थे।

सोमवार को पीटीआई के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से मुलाकात कर उनसे चुनाव के दौरान हुई धांधली की शिकायत की और अपने दावे को पुष्ट करने वाले सुबूत दिए। पाकिस्तान की 24 संसदीय सीटें ऐसी हैं जिन पर जितने अंतर से जीत हुई है, उससे ज्यादा संख्या में वहां पर मत रद्द किए गए।

टिकटॉक पर लगे प्रतिबन्ध को हटाने के लिए चीन का नेपाल सरकार पर दबाव

काठमांडू। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए नेपाल सरकार पर लगातार दबाव देने का प्रयास हो रहा है। जब से सरकार ने सामाजिक सद्भाव का हवाला देते हुए टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया है, चीन सक्रिय रूप से इसे वापस लेने के लिए ना सिर्फ चौतरफा पैरवी कर रहा है बल्कि कूटनीतिक संबंध बिगड़ने तक की चेतावनी भी दे रहा है।

13 नवम्बर 2023 को नेपाल की कैबिनेट ने पारिवारिक माहौल और सामाजिक सद्भाव बिगड़ने का कारण बताते हुए चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबन्ध लगा दिया था। उसके बाद से लगातार विभिन्न स्तर से सरकार पर इस प्रतिबन्ध को हटाने के लिए दबाव दिया जा रहा है। सबसे पहले 5 दिसंबर, 2023 को, दक्षिण एशिया के लिए टिकटॉक के सार्वजनिक नीति और सरकारी संबंधों के प्रमुख, फिरदौस मोट्टाकिन ने प्रधानमंत्री के आईटी विशेषज्ञ प्रकाश रायमाझी और संचार मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की। तब से, टिकटॉक के प्रतिनिधि प्रतिबंध को हटाने के प्रयास में विभिन्न नेपाली एजेंसियों के साथ लॉबिंग करने में लगे हुए हैं।

जनवरी के अंतिम सप्ताह में टिकटॉक के तरफ से पांच सदस्यों वाला एक प्रतिनिधिमंडल एक सप्ताह तक विभिन्न नेपाली एजेंसियों के साथ चर्चा में लगा रहा। हालांकि, उनके प्रयासों के बावजूद कोई सफलता नहीं मिली। प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने की टिकटॉक कंपनी बार-बार अपील कर रही है और आपत्तिजनक सामग्री को हटाकर सरकार की चिंताओं को दूर करने का लिखित आश्वासन भी दे रही है। टिकटॉक प्रतिनिधियों के अलावा काठमांडू स्थित चीनी दूतावास के अधिकारियों के तरफ से काठमांडू में इस संबंध में लगातार बैठकें करते हुए नेपाल सरकार पर दबाव बनाने का काम किया जा रहा है। पांच सदस्यीय टीम की वापसी के बाद, एक बार फिर दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पिछले हफ्ते ही नेपाल पहुंच कर प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल "प्रचंड" से मिलने का बहुत प्रयास किया लेकिन पीएम प्रचण्ड ने उन प्रतिनिधियों से मिलने से साफ इंकार कर दिया। हालांकि, उनकी मुलाकात संचार मंत्री से हुई लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ।

तमाम कोशिशों के बावजूद नेपाली सरकार अपने फैसले पर कायम है। सुप्रीम कोर्ट ने 21 नवंबर, 2023 को प्रतिबंध को चुनौती देने वाली 14 रिट याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इस प्रतिबन्ध से कोई "अपूरणीय क्षति" नहीं हुई है। टिकटॉक के तरफ से नेपाली नियमों का पालन करने की नेपाल में पंजीकरण करने की पेशकश भी की है, लेकिन सरकारी अधिकारी संशय में हैं। सूचना तथा संचार मंत्री रेखा शर्मा ने दोहराया कि टिकटॉक की सामग्री नेपाली समुदाय के मानकों का पालन नहीं करती है जिसके कारण हमारे पारिवारिक मूल्य मान्यताओं का ह्रास तो हो ही रहा था साथ ही सामाजिक सद्भाव पर इसका नकारात्मक असर भी पड़ रहा था। संचार मंत्री ने कहा कि नेपाल सरकार सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

टिकटॉक पर प्रतिबंध से नेपाल और चीन के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। चीनी सरकार ने इस फैसले पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने नेपाल सरकार के इस प्रतिबंध को "चीन विरोधी" करार देते हुए इसमें भारत, अमेरिका सहित पश्चिमी देशों के बहकावे में आने की बात कही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यहां तक कहा है कि नेपाल के इस फैसले ने दोनों देशों के बीच रहे अच्छे कूटनीतिक रिश्तों के लिए ठीक नहीं है। यह चीन के लिए चिन्ता का विषय है।

आज देशभर के लाखों दिव्यांगजनों को मोदी सरकार उपकरण देकर कर रही सम्मान, यह हमारी धरोहर इनकी सेवा करना हमारा कर्तव्य - सांसद राजबहादुर सिंह

वयोश्री योजना के तहत दिव्यांगों को बांटे गए उपकरण , सिरोंज लटेरी विधानसभा में सबसे अधिक दिव्यांग हुए लाभान्वित

सिरोंज। एक दौर था जब दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल के लिए परेशान होना पड़ता था। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में लाखों लाख दिव्यांग लोगों को वयोश्री योजना के तहत उपकरणों से लाभान्वित किया जा रहा है उक्त बात सागर सांसद राज बहादुर सिंह ने गुरुवार को चंद्र मोहन सभागार में आयोजित वयोश्री योजना के तहत आयोजित शिविर के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रवाद उदय हुआ है भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है धारा 370 को हटाने का साहसिक निर्णय यदि किसने लिया है तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार है पुरानी सरकारों और वर्तमान की नरेंद्र मोदी सरकार में आप स्वयं तुलना करके देखिए आपको अंतर समझ आ जाएगा वही कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे में संबोधित करते हुए कहा कि आज घर में सगे बेटा बेटी बुजुर्ग दिव्यांग माता-पिता को उपकरण नहीं दिला रहे हैं लेकिन हमारी सरकारें जातिगत भेदभाव किए बगैर समभाव की दृष्टि से दिव्यांगों को उपकरण प्रदान कर रही है हमारी सरकारों के द्वारा जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेकों ऐसी योजनाएं बनाई है जिनसे सभी परिवारों के लोग लाभान्वित हुए हैं। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं कन्या पूजन कर किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत के उपाध्यक्ष दरयाव सिंह कुर्मी , जनपद की अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव, जनपद उपाध्यक्ष शशि शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश यादव, जन भागीदारी अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ,पार्षद सचिन शर्मा, जिला पंचायत सदस्य भगत सिंह रघुवंशी,अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी, जनपद सीईओ वंदना शर्मा, सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

दिव्यांगों का जीवन सुखी हो यही मोदी सरकार का प्रयास - विधायक उमाकांत शर्माकुरवाई रोड स्थित चंद्रमोहन सभागार में आयोजित वयोश्री एवं आईआरफसी योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़े विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि दिव्यांगों का जीवन सुखमय हो यही मोदी सरकार का और हमारा प्रयास है आज देश में दिव्यांगता बढ़ रही है इसका एक कारण प्राकृतिक है तो वहीं दूसरा कारण नशा करके गाड़ी चलाने से होने वाले एक्सीडेंट व कैंसर जैसी बीमारियां है जिनसें लोग दिव्यांग हो जाते हैं इसको लेकर भी हमें विचार करने की आवश्यकता हैउन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से आव्हान करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने विकलांगों को दिव्यांग नाम दिया है हम सब भी दिव्यांगोंजनों का सम्मान करें और उनका यथासंभव सहयोग करें। प्रधानमंत्री जी के द्वारा यूएई संयुक्त अरब अमीरात में मंदिर का उद्घाटन कर सद्भावना का संदेश दिया है हमारी परंपरा प्राणी मात्र की भला करने की रही है हम सदैव वसुधैव कुटुंबकम की विचारधारा को मानने वाले रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों की सहायता के लिएप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक,सांसद राजबहादुर सिंह का धन्यवाद देते हुए जिले में सिरोंज लटेरी विधानसभा में सबसे अधिक हितग्राहियों को चयनित कर लाभान्वित करने के लिए जिला एवं स्थानीय प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया।

बैट्री वाली ट्रायसाइकिल मिलने से खिले दिव्यांगों के चेहरे,अन्य जरूरी उपकरणों का भी मिला लाभ दिव्यांगजनों को ट्रायसायकिल सहित अन्य आवश्यक उपकरण सामग्री वितरण समारोह में सिरोंज लटेरी एवं कुरवाई विधानसभा के करीब पाँच सौ हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। क्षेत्रीय सांसद एवं कुरवाई विधायक ने कार्यक्रम के उपरांत मंच के सामने बैठे दिव्यांगजनों के बीच पहुँचकर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान कर चयनित हितग्रहियों को सामग्री का वितरण किया। इस दौरान सिरोंज विधानसभा में जनपद से 242,नगरपालिका अंतर्गत 13 सहित कुल 255 हितग्राहियों एवं कुरवाई विधानसभा अंतर्गत 237 हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए गए। इनमें 11 दिव्यांगजन को बैट्री वाली ट्रायसायकल सहित 55 ट्राय सायकल, 110 व्हील चेयर, 90 हितग्राहियों को डिजिटल कान की मशीन सहित बैशाखी,फोल्डिंग छड़ी,कोहनी वाली छड़ी, स्मार्टफोन विथ स्क्रीन रीडिंग दांतो के सेट, चश्मा प्रमुख रूप से प्रदाय किए गए

प्रथम एज्युकेशन फाउंडेशन द्वारा आहोर, राजस्थान में वैदिक मैथ्स एवं मैथ्स गेम की कार्यशाला का आयोजन किया गया

आहोर मुकाम, राजस्थान में धनराज ठक्कर एवं डॉ. रूपेश भाटिया द्वारा सिखाई गई वैदिक मैथ्स की विधियों से बच्चे अभिभूत हुए

कार्यशाला में गुजरात ऑल इंडिया रामानुजन मैथ्स क्लब के वैदिक मैथ्स मास्टर्स डॉ.रुपेश भाटिया एवं धनराज ठककरने बच्चों को वैदिक गणित की सरल विधिया शिखाई

ब्यूरो रीपोर्ट पाटन गुजरात दैनिक पुष्पांजली टुडे

प्रथम एजुकेशन फाऊंडेशन अंतर्गत झोपड़पट्टी में निवास करने वाले बच्चों को जीने की रीत सिखाने हेतु कार्यरत है । यह संस्थान बच्चों में गणित, विज्ञान, कला एवं स्किल का विकास हो इस हेतु क्रिएटिविटी क्लब कार्य करती है । प्रथम की क्रिएटिविटी क्लब प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजस्थान का आहोर तहसील सेकंड बेस केंद्र के आसपास के गांव के बच्चों में गणित का डर दूर हो एवं गणित के प्रति रस रुचि उजागर करने हेतु आहोर में वैदिक गणित एवं ज्योमैट्रिक गेम का 8, 9 फरवरी, 2024 को दो दिन का वर्कशॉप आयोजित हुआ था । इस वर्कशॉप में 30 गांव में से 41 बच्चे 8 अभिभावक एवं 3 वॉलिंटियर्स ने भाग लिया था । क्लस्टर लिडर छौगाराम देवासी जी, मेंटर लिडर बुद्धि प्रकाश मीणा अश्विनी जी, भावना जी एवं सोनूजी वोलेंटियर ,लता वोलेंटियर डिपल वोलेंटियर जी ने जम्मिदारी से बच्चों को आहर केंद्र पर लाने के लिए कड़ी मेहनत की है । बच्चों के अभिभावकों में विश्वास जगा कर सब बच्चों को ट्रेनिंग सेंटर तक लाए थे । आहोर में दो दिन गोविंदा रेस्टोरेंट में रहने एवं खाने पीने की अच्छी सुविधायें थी । सभी वॉलिंटियर्सने बच्चों का अच्छी तरह ध्यान रखा एवं लाने जाने की

सुविधा भी अच्छी तरह की थी दो दिन के वर्कशॉप में गुजरात पाटन जिले से ऑल इंडिया रामानुजन मैथ्स क्लब के दो वैदिक गणित मास्टर्स डॉक्टर रुपेशभाई भाटिया एवं धनराज ठक्कर ने बच्चों से आत्मीय पूर्वक व्यवहार किया था । पहले दिन पहला सेशन में अपना परिचय नवीन तरह से दिया, बच्चों को अपना पूर्ण परिचय देने के लिए कहा, बाद में बच्चों को सबको अपने नए पांच पांच मित्र बनाना है, उनका परिचय करना है । फिर वैदिक गणित एवं उनके रचयिता का परिचय करने के बाद में पूरे दिन वैदिक गणित जो सरल गणित है उनकी विधियां सिखाई एवं एक्टिविटी लर्निंग में गणित की विविध गेम भी खिलाई । बच्चों दोनो मास्टर्स से ऐसे गुल मिल गए थे की दोनों को वर्षों से पहचानते हैं । बायनरी कोस्टक से अपनी उम्र जानना यह एकटीविटी आकर्षण का केंद्र रही । शाम को बच्चों ने म्यूजिक के साथ एंजॉय किया । सब लोग नाचे कूदे एवं मौज किया । रात को बढ़िया भोजन लेकर सो गए । दूसरे दिन बच्चों ने फिर से सरल गणित की विधियां सीखी एवं गणित की गेम भी खेले । इनमें मैच बॉक्स की स्टिक की संख्या पहचानना वह गेम का आकर्षण रहा । बाद में बच्चों को पांच टीम का विभाजन करके क्रिज खिलाई गई । गणित क्रिज में सभी बच्चों की पांच टीम का विभाजन हुआ । इन टीमों का नाम हमारे भारतीय गणितज्ञ भास्कराचार्य, श्रीनिवासन रामानुजन, श्रीधराचार्य, आर्यभट्ट एवं भारती कृष्णतीर्थजी महाराज का नाम दिया था । बच्चों ने क्रिज के प्रश्नों का 1 मिनट से कम समय में उत्तर दिया था। इन टीमों में से प्रथम तीन टीमों को इनाम देकर सम्मानित किया एवं बाकी दो टीमों को भी प्रोत्साहित इनाम दिया गया । सभी बच्चों को यह क्रिज एक नया अनुभव रहा । वर्कशॉप के समापन सेशन में पांच बच्चों ने अपना अनुभव कथन किया । जिसमें बच्चोंने बताया ऐसा वर्कशॉप हमने कभी नहीं किया था, यह हमारा अविस्मरणीय अनुभव है, हमारे साथ सभी वॉलिंटियर्सने अच्छा व्यवहार किया है, सबने हमें बहोत आनंद करवाया है । दो मास्टर्सने भी हमें सरल गणित सिखाया है । ऐसी एक्टिविटी जब भी होगी तो हम अवश्य भाग लेंगे । बाद में सब बच्चों को प्रमाण पत्र दिया गया एवं वॉलिंटियर्स एवं मास्टर्स को सम्मानित किया गया । आभार दर्शन करके सब अपने घर पर प्रस्थान के लिए निकले ।

शिवाजी नेशनल स्कूल की का हुआ भूमि पूजन

पुष्पांजली टुडे संवाददाता

मालनपुर। बसंत पंचमी के मौके पर क्षेत्र के समीप संचालित शिवाजी पब्लिक स्कूल की दुतीय शाखा का भूमि पूजन बड़े ही धूमधाम से किया गया विद्यालय के संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू ने परिवार जनों और विद्यालय स्टाफ के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की और भूमि पूजन किया इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जल्द ही विद्यालय भवन बनकर तैयार होने वाला है और अगले सत्र से विद्यालय की शुरुआत हो जाएगी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगे इस अवसर पर क्षेत्र के गण मान्य नागरिक पत्रकार गण मौजूद रह

समाधान आपके द्वार योजना के सफल आयोजन हेतु प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एडीआर भवन के सभाकक्ष में बैठक आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह ने समाधान आपके द्वार योजना के पंचम चरण शिविर 24 फरवरी के सफल आयोजन कराने हेतु गुरूवार को एडीआर भवन शिवपुरी के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया। इस अवसर पर समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत नियुक्त नोडल अधिकारी से वन विभाग, विद्युत विभाग, नगर पालिका, राजस्व एवं आयुष्मान, आधार जैसी अन्य योजनाओं की तैयारी के संबंध में अद्यतन जानकारी ली गई तथा प्रत्येक विभाग से उनके द्वारा फील्ड स्तर पर किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रतिदिन करने के निर्देश दिये गये तथा प्रचार -प्रसार करने पर जोर दिया गया। जिससे अधिक से अधिक लोग समाधान योजना का लाभ ले सके। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ.वीरेन्द्र कुमार च?ार,

नोडल अधिकारी एम.के.जैन, तहसीलदार सिद्धार्थ भूषण शर्मा, डॉ.अलका त्रिवेदी सहित नगरपालिका, विद्युत विभाग, वन विभाग आदि विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मड़खेड़ा के सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी ने ग्राम पंचायत में रोजगार गारंटी कार्य अंतर्गत तालाब जीर्णोद्धार कार्य के दौरान मस्टर रोल जनरेट करने में अनियमितताएं बरतने पर जनपद पंचायत पोहरी के ग्राम पंचायत मड़खेड़ा सचिव शकुन धाकड़ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।इसके साथ ही संबंधित सचिव जारी कारण बताओ सूचना पत्र का उत्तर 7 दिवस में कार्यालय जिला पंचायत शिवपुरी में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर साक्ष्य अथवा अभिलेख के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। नियत समयावधि में उत्तर प्रस्तुत न किए जाने अथवा उत्तर असंतोषजनक न होने की दशा में संबंधित के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

पैरालीगल वालेंटियर समाधान शिविर के प्रचार हेतु निकले गांव-गांव

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत कैम्प 24 फरवरी को जिला एवं तहसील मुख्यालय पर आयोजित किया जायेगा। कई बार आम नागरिक विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाता है। समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत ऐसे प्रकरणों को चिन्हित कर लाभ प्रदान किया जाएगा।इसी प्रकार के कई अन्य मामले चाहे भूमि का बटांकन, सीमांकन, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, रास्तों के विवाद, जल निकासी, जल स्त्रोत से संबंधित मामले, बंटवारे के आदेश के पश्चात नक्सों में बटांकन, तरमीम तथा तरमीम पश्चात अक्स, फसल हानि से मिलने वाला मुआवजा, इसी प्रकार चाहे मीटर का नया कनेक्शन कराना हो या मीटर कटवाना हो या मीटर की जांच होना है या खराब पाये जाने पर बदलाव किया जाना है, बकाया बिल राशि के मामले, विद्युत चोरी के प्रकरणों में उपभोग राशि का समुचित मूल्यांकन होना हो, इसी प्रकार न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य समस्त मामले, जो दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 320 में उल्लेखित है।साथ ही ऐसे मामले जिनमें एफआईआर हो चुकी है, किन्तु चालान पेश नहीं हुआ है एवं अदम चैक के मामले का निराकरण किया जायेगा। साथ ही वन विभाग एवं नगर पालिका के मामले जो लोक अदालत में निराकरण योग्य है मामलों का निराकरण किया जाएगा। समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत आम आदमी लाभ ले सके इस हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वालेंटियर क्लस्टर अंतर्गत चयनित ग्राम-ग्राम जाकर उक्त विषय की जानकारी आमजन को प्रदान कर रहे है एवं लेवल-1 के अधिकारियों के साथ समन्वय कर आमजन के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आई.डी. कार्ड बनवाने में भी सहयोग कर रहे हैं।

अपर कलेक्टर को मिला खाद्य विभाग का प्रभार

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कार्यालयीन कार्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी को खाद्य विभाग के जिला आपूर्ति नियंत्रक का प्रभार सौंपा है। अपर कलेक्टर खाद्य विभाग के लिए आहरण संवितरण अधिकारी के रूप में भी कार्य करेंगी। खाद्य विभाग के प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिंह सिकरवार को जवा अनुभाग का एसडीएम बनाये जाने के कारण यह कार्यवाही की गयी है।

आज 16 फरवरी को होगा बुंदेली दमोह महोत्सव का आगाज

पुष्पांजली टुडे

दमोह। बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित बुंदेली दमोह महोत्सव 2024 का आगाज 16 फरवरी से होगा। सचिव प्रभात सेठ ने बताया कि बुंदेली दमोह महोत्सव 2024 का शुभारंभ 16 फरवरी होने जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ विधिवत गणेश पूजन और ध्वजारोहण के साथ शाम 5 बजे होगा। महोत्सव का शुभारंभ में न्यास के पदाधिकारी, समाजसेवी गणमान्य नागरिक की उपस्थिति रहेगी। बुंदेली दमोह महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विभिन्न क्षेत्रों के खान पान, मनोरंजन, झूला का आनंद लोगों को मिलेगा।

नगर परिषद चांचौड़ा-बीनागंज के गठन दिनांक से आज तक नहीं हुई मीटिंग

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

मध्य प्रदेश शासन की नगर सरकार के निर्वाचन दिनांक से चाचौड़ा बीनागंज में शिक्षा समिति और खेल एवं युवक कल्याण समिति की आज तक मीटिंग का आयोजन ही नहीं किया गया। मध्य प्रदेश शासन ने नगर सरकार और नगर परिषद की समितियां को असीमित अधिकार दिए गए हैं, नगर परिषद का उपाध्यक्ष ही शिक्षा समिति का अध्यक्ष शासन द्वारा मनोनीत रहता है,नगर परिषद चाचौड़ा के गठन दिनांक से आज तक नगर शिक्षा समिति और खेल एवं युवक कल्याण समिति का मीटिंग का आयोजन ही नहीं किया गया। श्रीमती रश्मि कल्लू शर्मा अध्यक्ष शिक्षा और खेल एवं युवक कल्याण समिति नगर परिषद चाचौड़ा बीनागंज द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी और जिम्मेदार अधिकारियों को मीटिंग के आयोजन करने हेतु कहा गया लेकिन,जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं देने पर श्रीमती रश्मि शर्मा नेविकासखंड शिक्षा अधिकारी चाचौड़ा ब्लॉक, ब्लॉक समन्वयक खेल एवं युवक कल्याण विभाग ब्लॉक चांचौड़ा,प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय और शासकीय कन्या महाविद्यालय चांचौड़ा,जिला शिक्षा अधिकारी गुना,जिला समन्वयक खेल एवं युवक कल्याण विभाग जिला गुना और प्राचार्य और नोडल ऑफिसर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना को दिनांक 28 जनवरी 2024 को पत्र भेजकर शीघ्र मटन आयोजित करने हेतु निवेदन किया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आज तक कोई भी कार्रवाई न करने पर 12 फरवरी 2024 को पुन- उक्त सभी अधिकारियों को स्मरण पत्र भेजकर शीघ्र मीटिंग का आयोजन करने हेतु पत्र लिखा गया, लेकिन आज तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मीटिंग के संबंध में कोई भी उत्तर और सूचना नहीं दी गई।श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि इसके अलावा भी में सभी जिम्मेदार अधिकारियों को दो पत्र भेज चुकी हूं अपने विभाग की योजनाएं कार्यक्रम और शासन की जनहित और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से मुझे अवगत कराएं लेकिन नौकरशाही के चलते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के ऊपर कोई भी असर नहीं हो रहा है और मेरे अधिकारों का जबरन दुरुपयोग किया जा रहा है।*निर्वाचन दिनांक से जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आज तक शिक्षा समिति की मीटिंग नहीं बुलाई और ना ही चांचौंड़ा और बीनागंज नगर में शिक्षा विभाग और खेल एवं युवक कल्याण विभाग की एक्टिविटी से मुझे अवध भी नहीं कराया और कई कार्यक्रमों का आयोजन उनके द्वारा किया गया, अगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की हमें कलेक्टर महोदय से भेंट कर जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही नौकरशाही और लाल फीता शाही के बारे में बात करूंगी।

-श्रीमती रश्मि कल्लू शर्मा

उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष शिक्षा और खेल एवं युवक कल्याण समिति नगर परिषद चाचौड़ा बीनागंज

महर्षि दयानंद सरस्वती का समाज में योगदान- शिवानी जैन एडवोकेट

ऑल ह्यूमंस सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि महर्षि दयानंद ने वेद के उपदेशों के माध्यम से भारतीय समाज को एक नया जीवन दिया। महर्षि ने बाल विवाह, पर्दा प्रथा, जाति प्रथा, छुआछूत जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जीवनपर्यंत संघर्ष किया। उन्होंने समाज में दलितों और शोषितों को समानता का अधिकार देकर सामाजिक एकता, समरसता व सद्भावना की नींव रखी।थिंक मानवाधिकार संगठन एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती के सामाजिक विचारों में प्रमुख यह है कि वे हिन्दू समाज को सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वासों एवं कुप्रथाओं से मुक्त कराना चाहते थे । वे यह मानते थे कि हिन्दू समाज कुरीतियों एवं सामाजिक बुराइयों, धार्मिक अंधविश्वासों में डूबा हुआ है । इसे उन बुराइयों से मुक्त करने की आवश्यकता हैमां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक डॉ एच सी विपिन कुमार जैन, संरक्षक डॉक्टर आरके शर्मा, डॉ राजेंद्र कुमार जैन, आलोक मित्तल एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट, शार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जैन, डॉ अनीता गुप्ता, एडवोकेट बीना आदि ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने तत्कालीन समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों तथा अन्धविश्वासों और रूढियों-बुराइयों व पाखण्डों का खण्डन व विरोध किया। उनके ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में समाज को आध्यात्म और आस्तिकता से परिचित कराया।उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने छात्रों को वेदों का ज्ञान और समकालीन अंग्रेजी शिक्षा दोनों प्रदान करने के लिए एक अद्यतन पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए एंग्लो-वैदिक स्कूलों की शुरुआत करके भारत की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया।

शिवानी जैन
एडवोकेट
डिस्ट्रिक्ट वूमेन चीफ

किसानो की न्याय संगत मांगों को पूरा कर देश के किसानो के साथ न्याय करें सरकार विनम्र आग्रह - किसान सुब्रत

रीवा - भारतीय किसान यूनियन मध्यप्रदेश प्रदेश के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय किसान समन्वय समिति के सदस्य किसान सुब्रत ने केन्द्र सरकार मध्यप्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि किसानो की न्याय संगत मांगों को पूरा किया जाय किसानो के साथ न्याय किया जाय । आखिर कितने बरसों का इन्तजार किसान करें किसान बिल वापसी के समय एम एस पी के गारंटी का किया गया वादा पूरा किया जाय । किसानो के हितों की अनदेखी ना की जाय किसानो की कडी मेहनत से उप जायी गयी फसलों का लागत के आधार पर मूल्य नहीं, विकास के नाम पर भूमि अधिग्रहण कर किसानो को उजाड़ के पुनर्वास पुनर्स्थापना उचित प्रतिकर नौकरी नहीं आखिर किसानो की इतनी अनदेखी क्यों,गांवों में मूलभूत सुविधाएं नहीं फसलों का लागत के आधार पर मूल्य नहीं कर्ज के बोझ में लगातार किसान आत्महत्या करने को मजबूर किसानो की उपेक्षा लगातार आजादी के 76 वर्ष बाद भी आखिर कब तक जारी रहेगी ? देश के किसानो को लगातार मानसिक वेदना अपमानित ना किया जाय ।आसमानी एवं सुल्तानी संकटों ?मे भी देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाने वाले, खाद्यान्न के निर्यात में सक्षम बनाने वाले एवं करोडो लोगों को मुफ्त में अनाज बांटने के लिए अनाज का उत्पादन करने वाले देश के किसान ही है

अटल कुंज टावर प्रोजेक्ट में जीएसटी जोड़ना भूले अधिकारी, उपभोक्ताओं पर आएगा बोझ

ग्वालियर। दीनदयाल नगर के ए सेक्टर में कामर्शियल और आवासीय संपत्तियों वाली सात मंजिला इमारतों के अटल कुंज टावर का एस्टीमेट तैयार करते समय हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी जीएसटी जोड़ना भूल गए। वर्तमान में हर प्रोजेक्ट का एस्टीमेट जीएसटी सहित बनाया जाता है, लेकिन अधिकारियों ने इस राशि को प्रोजेक्ट की लागत में शामिल ही नहीं किया। इसके बाद उपभोक्ताओं को रेट खोलकर संपत्तियों की बुकिंग भी करा ली। बुकिंग के बाद निर्माण शुरू करने की बारी आई, तो पता चला कि जीएसटी जोड़ने पर निर्माण की लागत बढ़ेगी। इसके अलावा प्राथमिक एस्टीमेट के आधार पर ही प्रोजेक्ट की लागत भी फाइनल कर दी गई। अब जब निर्माण की बारी आई, तो पता चला कि लागत और बढ़ रही है। ऐसे में अब बुकिंग कर चुके उपभोक्ताओं पर इसका भार डालने की तैयारी है।

- मोबाइल से दूरी रखें और किताब से पढ़ाई करें व व्यवस्थित उत्तर लिखेंदरअसल, इस प्रोजेक्ट की रूपरेखा वर्ष 2015 में तैयार की गई थी। यह इलाका सुखोई, मिराज और राफेल जैसे फाइटर प्लेन के उड़ान क्षेत्र में आता है, क्योंकि यहां से एयरफोर्स स्टेशन नजदीक है। इसके चलते यहां तीन मंजिल से अधिक ऊंची इमारत की अनुमति नहीं मिलती थी। ऐसे में एयरफोर्स से अनुमति लेने के साथ ही वर्षों की कवायद के बाद टीएंडसीपी और नगर निगम से अनुमति ली गई। सारी मंजूरियां मिलने के बाद इस प्रोजेक्ट का एस्टीमेट तैयार किया गया। तत्कालीन कार्यपालन यंत्री और सहायक यंत्री ने जब इसका एस्टीमेट तैयार किया, तो उसमें 80 करोड़ रुपये की लागत निकलकर आई। इसमें जीएसटी नहीं जोड़ा गया था। प्राथमिक और फाइनल एस्टीमेट में पांच से 10 प्रतिशत का अंतर रहता है, लेकिन इतने बड़े प्रोजेक्ट में यह राशि चार से आठ करोड़ रुपये होती है। अधिकारियों ने फाइनल एस्टीमेट के बजाय प्राथमिक एस्टीमेट के आधार पर ही संपत्तियों की कीमतें तय कीं और बुकिंग कर ली। अब जब निर्माण शुरू होने की बारी आई है, तो इस अंतर को हितग्राहियों से वसूलने या आवंटन रद करने की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है।

टेंडर में ठेकेदार पर डाली जीएसटी- हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने अपनी गलती सुधारने और कार्रवाई से बचने के लिए की गई टेंडर प्रक्रिया में जीएसटी की 18 प्रतिशत राशि को शामिल नहीं किया, बल्कि टेंडर में शर्त यह रख दी कि ठेकेदार कंपनी ही इस कार्य की जीएसटी जमा करेगी। यदि 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़ी जाती, तो यह राशि 14.40 करोड़ रुपये होती और प्रोजेक्ट लगभग 95 करोड़ रुपये तक पहुंचता। टेंडर की शर्त में लिख दिया गया कि ठेकेदार ही इसकी जीएसटी राशि जमा करेगा। इस शर्त के आधार पर गुजरात की रेवा कंस्ट्रक्शन कंपनी को ठेका दिया गया है।

अभी 130 ग्राहक कर चुके हैं बुकिंग- अटल कुंज टावर में कुल 138 दुकानें और 60 फ्लैट तैयार करने की योजना है। दुकानों का साइज 200 से 350 वर्गफीट है और इनकी कीमत 13 से 22 लाख रुपए है। वहीं फ्लैटों में 700 वर्गफीट क्षेत्रफल के 28 टू बीएचके और 1100 वर्गफीट क्षेत्रफल वाले 32 थ्री बीएचके फ्लैट शामिल हैं, जिनकी कीमत 27.80 लाख से लेकर 40.31 लाख रुपये निर्धारित की गई थी। इसके अलावा 50 आफिस स्पेस या हाल भी बनाए गए हैं। इन्हीं कीमतों के आधार पर बुकिंग शुरू की गई थी। वर्तमान में 138 में से 88 दुकानें बुक हो चुकी हैं, जबकि 60 में से 42 फ्लैटों की बुकिंग कर ली गई है। इस प्रकार कुल 130 ग्राहकों की बुकिंग हुई है।

हितग्राहियों से लेंगे सहमति या पैसा करेंगे वापस- लागत बढ़ने की हालत में अब ग्वालियर के अधिकारियों ने एक प्रस्ताव तैयार कर भोपाल स्थित मुख्यालय भेजा है। इसमें हवाला दिया गया है कि बढ़ी हुई लागत को समायोजित करने के लिए या तो बुकिंग करने वाले हितग्राहियों को पत्र लिखकर सहमति ली जाए कि वे बाकी पैसा भी देने के लिए तैयार हैं या नहीं। अगर हितग्राही तैयार नहीं होते हैं, तो उनकी बुकिंग रद कर उनके द्वारा जमा किया गया पैसा वापस लौटा दिया जाएगा।

स्मार्ट शहर-अनपढ़ व्यवस्था, शिकायत और निराकरण सब ढेर

ग्वालियर। ग्वालियर का नाम सुनते ही जहन में ऐतिहासिक शहर, स्मार्ट सिटी, सिटी आफ म्यूजिक यह सब सबसे पहले आता होगा लेकिन एक कड़वी हकीकत भी जान लीजिए। यह है स्मार्ट शहर के दावों के बीच स्ट्रीट लाइट की मानीटरिंग की अनपढ़ व्यवस्था। चमचमाते-जगमग स्मार्ट सिटी या नगर निगम के मुख्यालय में बैठने वाले अफसरों के लिए यह वाकई शर्मनाक है कि शहर में स्ट्रीट लाइट खराब होने की शिकायत से लेकर निराकरण तक सब ढ़ेर है। शिकायत का मानीटरिंग सिस्टम नहीं और गलती से दर्ज भी कर ली गई तो समाधान के अते-पते नहीं है। करोड़ों रुपये खर्च कर शहर को रोशन करने के लिए 62 हजार एलईडी लगवाई गई, इनके संधारण का ठेका भी एचपीएल कंपनी को करोड़ों में दिया गया, लेकिन कंपनी काम कर रही है या नहीं, पता नहीं। शहरवासी अंधेरे में हैं और परेशान भी हैं। जब शिकायत व समाधान की सुध लेने वाला कोई नहीं है तो खराब लाइट को सुधरवाने में आमजन को हफ्ते से महीने तक का समय लगना स्वाभाविक है। शिकायत तंत्र से लेकर समाधान तक की स्थिति जानने के लिए नईदुनिया ने पड़ताल की जिसमें हकीकत चौंकाने वाली ही निकली।स्मार्ट सिटी के पास खुद का प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) नहीं है।यदि एमआईएस सिस्टम होता है तो एक हेल्प लाइन नंबर स्मार्ट सिटी जारी कर सकता। जिस पर आने वाली शिकायतों की मानिटरिंग अफसर मोबाइल पर भी कर सकते। उन्हें यह भी पता चलता कि दिन में कितनी शिकायतें आई, कितनी हल हुई, और जो हल नहीं हुई उसमें क्या व्यवधान रहा है तो वह कब तक हल होगी। शर्म की बात यह है कि स्मार्ट सिटी के अफसर, मेंटेनेंस करने वाली एचपीएल कंपनी के सिस्टम पर निर्भर है।

मोतीझील फल मंडी के अध्यक्ष पर आरोप- बिन परमिशन बसाहट, जांच-विवादों का घेरा

ग्वालियर। आगरा-मुंबई हाइवे पर स्थित मोतीझील में बड़ी फल मंडी बड़े विवादों में आ गई है। सहकारी समिति के माध्यम से इसे बसाने वाले अध्यक्ष पर आरोप हैं कि बिना परमिशन व नियमों के फल मंडी बनाई गई और 150 करोड़ की जमीन के प्लाट नए सदस्य बनाकर बेचे जा रहे हैं। इस मामले में सहकारिता विभाग की दो सदस्यीय जांच कमेटी और प्रशासन की ओर से एसडीएम ग्वालियर सिटी जांच करा रहे हैं। फल मंडी कुल 50 बीघा में है जो जमीन सहकारी संस्था के माध्यम से ली गई थी। फल मंडी सहकारी संस्था के पदाधिकारियों पर करोड़ों के बंदरबांट का आरोप है। वहीं इस मामले में अध्यक्ष मनोहर लाल भल्ला का दावा है कि पूरे नियमों के साथ फल मंडी बसाई गई है, इसके पीछे कुछ बाहुबली बिल्डर लगे हैं जो कि अपनी जमीन का फल मंडी से रास्ता चाहते हैं। वहीं शहर व ग्राम निवेश ने इस मामले में आयुक्त नगर निगम को अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा है।बता दें कि इस मामले में दिनेश रावत ने प्रशासन व पुलिस से शिकायत की है, जिसमें बताया है कि सर्वे क्रमांक सर्वे नंबर 911, 901, 880, 913, 900 , 912, 914, 907 सरकारी भूमि ग्राम मालनपुर (1.0870) हेक्टेयर ग्राम मालनपुर व अन्य नंबर 445 अकबरपुर मौजा में स्थित है, उपरोक्त जमीन फरूट मार्केट ट्रेडर्स गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित ग्वालियर द्वारा अध्यक्ष मनोहर लाल भल्ला नाम से खसरों में लगभग 36 बीघा जमीन सहकारी संस्था की है, जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग 4 करोड़ रुपये बीघा है। उपरोक्त जमीन पर शहर व ग्राम निवेश, नगर निगम की परमिशन के बिना ही कुछ सदस्यों, बिल्डर व अपने रिश्तेदारों को जमीन दे दी गई है। अपने हाथ के नक्शे पर भिन्न-भिन्न साइज के 5000 ,7000, 14000 और सभी 115000 रुपये में रजिस्ट्री कर दी गई है। कुछ प्लाट 25 लाख ,29 लाख ,26 लाख में बिल्डर को बेचे गए हैं। कई लोगों को दो, किसी को तीन प्लाट दिए गए हैं, जो राशि रजिस्ट्री में लिखी गई है वह खाते में शो नहीं कर रहे हैं। सदस्यों को शहर व ग्राम निवेश की झूठी परमिशन दिखाकर रजिस्ट्री की गई है।

टाउन एंड कंट्री ने आयुक्त को लिखा पत्र- नगर व ग्राम निवेश के सहायक संचालक केके कुशवाह की ओर से इस मामले में शिकायत के संदर्भ में आयुक्त नगर निगम को पत्र लिखा गया है, जिसमें कहा है कि फल मंडी द्वारा किए जा रहे अवैध अंतरण व अवैध निर्माण को लेकर पत्र प्राप्त हुआ है, इसमें कार्यालय द्वारा फल मंडी को लेकर नगर व ग्राम निवेश अधिनियम के तहत अवैध निर्माण हटाने के लिए 10 मार्च 2023 को अंतिम आदेश पारित किए जा चुके हैं।

यह जारी हो चुका है आदेश-अवैध होने से अपराध की श्रेणी- संयुक्त संचालक नगर व ग्राम निवेश ने फल मंडी के मामले में 10 मार्च2023 को जारी आदेश में कहा है कि अध्यक्ष फरूट मंडी एसोसिएशन द्वारा मप्र नगर व ग्राम निवेश अधिनियम के तहत अपेक्षित अनुज्ञा के बिना फल मंडी का विकास कर भवनों का निर्माण किया गया है, उनका यह कृत्य अधिनियम के प्रविधानों के तहत अवैध निर्माण में आता है, इसके लिए नोटिस भी जारी किया गया था। विकास योजना 2005 में आवेदन की भूमि का उपयोग आवासीय होने से थोक वाणिज्यक सह आवासीय अभिन्यास की स्वीकृति नियमानुकूल नहीं थी। आवेदक द्वारा अधिनियम के प्रविधानों के तहत अपेक्षित अनुज्ञा प्राप्त किए बिना विकसित निर्मित सरंचनाएं अधिनियम की धारा के तहत अवैध होने से अपराध की श्रेणी में आता है। अवैध विकास को निगम प्रशासन द्वारा हटाया जाएगा।दो सदस्यीय जांच दल शिकायत के आधार पर जांच कर रहा है और अगली सुनवाई 19 फरवरी को लगी है। अवैध प्लाट व नियमों के खिलाफ निर्माण की शिकायत मिली है।

-राजीव रूपोलिहा, सहकारी निरीक्षक

फल मंडी की सहकारी संस्था की ओर से बिना परमिशन के निर्माण कार्य कराए गए, जिसको लेकर नगर निगम को पत्र लिखा गया है। पूर्व में आदेश भी जारी किया जा चुका है।

-केके कुशवाह, सहायक संचालक, नगर व ग्राम निवेश, ग्वालियर

फल मंडी को लेकर अवैध निर्माण व बसाहट को लेकर शिकायत मिली है, इसको लेकर नायब तहसीलदार को जांच के लिए निर्देशित किया है, जांच में क्या हुआ दिखवाते हैं।

-अतुल सिंह, एसडीएम, ग्वालियर सिटी

बेलदार का पुरा में दो अवैध कालोनियों पर कार्रवाई, सीवर और पानी की लाइनें तोड़ीं

ग्वालियर(नप्र)। अवैध कालोनियों के खिलाफ नगर निगम द्वारा चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत बुधवार को अमले ने बेलदार का पुरा क्षेत्र में काटी जा रहीं दो कालोनियों पर कार्रवाई की। इस दौरान कालोनियों में बनाई गई मुरम की सड़कों को बुलडोजर की सहायता से हटाया गया। इसके अलावा पानी और सीवर की लाइनें भी तोड़ दी गईं। इन कालोनियों को बनाने के लिए ग्राम निवेश की विकास अनुज्ञा और नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई थी।सहायक नगर निवेशक महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह के आदेश पर सिटी प्लानर पवन सिंघल के निर्देशन में बुधवार को वार्ड 38 के अंतर्गत बेलदार का पुरा नाला के पास स्थित लहारिया फैक्ट्री के पीछे गौरव कुशवाह, गणेश पुत्र रतन कुशवाह आदि द्वारा सर्वे क्रमांक 1815, 1816, 1821, 1822, 1823 की 0.762 हैक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से भू-खंडों का विक्रय करने के लिए बनाई गई अवैध कालोनी पर कार्रवाई की। इसके साथ ही बेलदार का पुरा चाकलेट फैक्ट्री के पास सर्वे क्रमांक 1791, 1792 की 0.052 हेक्टेयर भूमि पर कदम सिंह, प्रीतम पुत्र बाबूलाल आदि द्वारा बनाई गई अवैध कालोनी में पानी की लाइन, सीवर लाइन, पिलर आदि हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान भवन अधिकारी यशवंत मैकले, राजीव सोनी, वीरेंद्र शाक्य, पवन शर्मा, मदाखलत प्रभारी केशव चौहान व भारती भगत एवं जनकगंज थाना पुलिस बल उपस्थित रहा।

आवारा श्वानों और गंदगी से हो रही परेशानी का 48 घंटे में होगा समाधान

ग्वालियर. । शहर में बढ़ते आवारा श्वान के आतंक और सड़कों पर पसरी गंदगी से आप छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आप नगर निगम के हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं, वाट्सएप नंबर पर गंदगी, कचरे ढेर, डस्टबिन बने प्लाट की फोटो और जानकारी साझा करें। निगम का अमला आपके द्वारा दी गई जानकारी पर तत्काल एक्शन लेगा और सफाई के बाद आपको सूचित भी करेगा। यह कहना था नगर निगम के मुख्य स्वच्छता अधिकारी डा. अनुज शर्मा का। डा. शर्मा का कहना है कि यदि कोई भी निगम कर्मचारी कचरे में आग लगा रहा है, कचरा खुले में फेंकता है या फिर झाड़ू नहीं लगा रहा, डोर-टू-डोर वाहन नियमित और समय पर नहीं पहुंच रहा है। फिर आप हेल्प लाइन नंबर-0751-2438748, 2920812 इस पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा वाट्सएप नंबर 7974273700 पर उस स्थान के फोटो भेंजे जहां पर गंदगी के ढेर जमा है उसके फोटो डालें। इसी तरह से कंट्रोल रूम नंबर 0751-2438387 पर संपर्क कर नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाली किसी भी समस्या का समाधान ले सकते हैं। आपकी शिकायत का निराकरण अगले 48 घंटे में होगा यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित के खिलाफ आयुक्त के द्वारा एक्शन लिया जाता है। वहां पर निगम कर्मचारी डंप कर रहे या फिर मोहल्लावासी, आप एक हेल्प लाइन नंबर नोट करें, नंबर है 0751-2438748, 7974273700 पर आप शिकायत करें। वाट्सएप नंबर पर आप गंदगी या कचरा फेंकने वालों का फोटो भेज सकेंगे तो उनसे जुर्माना भी वसूला जाएगा और टीम तत्काल सफाई भी कराएगी।प्रश्न- विजयानगर वार्ड

क्रमांक 58 में कचरे का ठिया बना है और घर के बगल से खाली प्लाट में कचरा डाल रहे हैं। अनूप मिश्राजवाब- आप एक वाट्सएप नंबर लिखें जिस पर आप फोटो भेजेंगे तो तत्काल कार्रवाई होगी। नंबर है 7974273700। इस पर आप प्लाट मालिक की डिटेल भेज सकें तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।प्रश्न- रुस्तम विहार में रहता हूं घर के बगल से खाली प्लाट में कचरा उठाने के लिए बोला तो निगम कर्मचारी ने जला दिया। रिदंत शर्माजवाब- निगम ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है 7974273700 पर आप अपनी परेशानी और फोटो भेजेंगे तो समस्या का समाधान तत्काल होगा।

प्रश्न- सागर ताल पर पीएम आवास में कचरा कलेक्शन के लिए वाहन नहीं पहुंचता, डस्टबिन तक नहीं रखे गए। महेश गुप्ताजवाब- यदि गाड़ी प्रतिदिन नहीं आ रही, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन नहीं कर रही तो आप नंबर 0751-2438748 और 0751-2920012 पर आप इस पर संपर्क करें। आप अपना पता व नंबर दें मैं डब्ल्यूएचओ से पूछता हूं और गड़बड़ी है तो कार्रवाई भी करूंगा।प्रश्न- गुड़ागुड़ी के नाके से बोल रहा हूं यहां पर एक श्वान है जो बच्चों पर हमला करता है क्या करें। राहुल पांडेजवाब- आप टोल फ्री नंबर 0751-2438358 पर आप अपनी शिकायत करें आपकी समस्या का समाधान हो जाएगा।प्रश्न- जवाहर कालोनी वार्ड 54 का निवासी हूं, मेरे यहां पर आवारा श्वान की संख्या अधिक है और वह अचानक हमला कर देते हैं। रहीश पटेलजवाब- यदि डाग अग्रेसिव है और वह लोगों पर हमला कर रहा है तो ऐसे डाग का निगम कैचअप करा लेता है आप टोल फ्री नंबर पर शिकायत करेंगे तो आपकी समस्या का समाधान हो जाएगा। डाग में देखा जाता है कि उसमें रैबीज के लक्षण तो नहीं। 0751-2438387 इस नंबर पर आप 11 से पांच बजे के बीच शिकायत करेंगे तो आप आवारा जानवर की शिकायत कर सकते हैं।प्रश्न- मैं ग्वालियर से बोल रहा हूं, डाग बाइट के बाद क्या लेना चाहिए। अंकित शर्माजवाब- डाग बाइट हुआ तो आप यह देखें कि स्क्रेचिंग है या फिर डीप कट है। यदि स्क्रेचिंग है तो आप नल के नीचे 15 मिनट तक रखें और साफ करें। डीप कट है तो उसे साफ करें और बीटाडीन लगाएं और आप नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर टीकाकरण कराएं, लेकिन घाव को बंद न करें।

परिषद में 20 फरवरी को पेश होगा बजट एक मार्च से पहले पास कराने का लक्ष्य

ग्वालियर. । वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नगर निगम का बजट आगामी 20 फरवरी को परिषद में प्रस्तुत किया जाएगा। महापौर डा. शोभा सिकरवार अपने कार्यकाल का दूसरा बजट पेश करेंगी। इस वित्तीय वर्ष में निगम का बजट लगभग 2400 करोड़ रुपये के आसपास रहने का अनुमान है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने की संभावना को देखते हुए पार्षदों को हिदायत दी गई है कि वे बजट की बैठकों को लंबा न खींचते हुए मुख्य बिंदुओं पर ही चर्चा करें, ताकि समय रहते बजट पास किया जा सके। प्रयास यह है कि एक मार्च से पहले बजट पारित कर दिया जाए। 20 फरवरी को महापौर बजट प्रस्तुत करेंगी। इस दिन सभापति मनोज सिंह तोमर द्वारा दावे-आपत्तियां और संशोधन लगाने के लिए समय दिया जाएगा। तय समय-सीमा में पार्षद अपनी आपत्तियां या सुझाव लगाएंगे, जिसके बाद मदों पर चर्चा की जाएगी।जिले में वर्ष 2024 के स्थानीय अवकाश निर्धारित कर दिए गए हैं। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने राज्य शासन के सामान्य पुस्तक परिपत्र के नियमों एवं सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए यह अवकाश घोषित किए हैं। कलेक्टर ने होली (प?वा) मंगलवार 26 मार्च, महारानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस मंगलवार 18 जून एवं ग्वालियर गौरव दिवस का दूसरा दिन गुरुवार 26 दिसंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478